केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क- bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :46 अंक 129 सोमवार 2 दिसम्बर 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

दो या तीन बच्चे जरूरी, वरना मानवता खतरे में आ जाएगी– मोहन भागवत

नागपुर (आभा)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने जनसंख्या नीति को लेकर अहम बयान दिया है। उन्होंने रविवार को महाराष्ट्र में आयोजित एक कार्यक्रम में कहा कि यह जरूरी है कि जनसंख्या की औसत वृद्धि दर 2.1 से नीचे न जाए। हमारे लिए यह जरूरी है कि दो या तीन बच्चे पैदा किए जाएं। ऐसा जनसंख्या विज्ञान कहता है और यदि औसत आंकड़ा 2.1 का ही रहा तो फिर बिना किसी खतरे के ही पृथ्वी से मानवता समाप्त हो जाएगी। आबादी यदि ऐसे ही कम होने की दर बनी रही तो फिर कई भाषाएं और सभ्यताएं खत्म होने के कगार पर पहुंच जाएंगी।

मोहन भागवत ने कहा, श्आबादी का घटना चिंता का विषय है। आधुनिक जनसंख्या विज्ञान कहता है कि जब जन्म दर 2.1 से नीचे जाती है तो फिर धरती से मानवता ही खत्म होने का खतरा पैदा हो जाता है। ऐसी स्थिति में समाज खत्म हो जाता है, जबकि उसके आगे कोई प्रत्यक्ष संकट नहीं होता। ऐसी स्थिति में कई भाषाओं और सभ्यताओं के खत्म होने का खतरा होता है। देश की जनसंख्या नीति 1998 या 2002 में तय हुई थी। जनसंख्या की औसत वृद्धि दर 2.1 से कम नहीं होनी चाहिए। हमारे लिए यह जरूरी है कि दो या तीन बच्चे हों। आबादी की जरूरत है क्योंकि समाज का अस्तित्व रहना चाहिए।

आरएसएस की ओर से कई बार यह बात दोहराई जा चुकी है कि देश में जनसंख्या का असंतुलन बढ़ रहा है। खासतौर पर हिंदुओं की आबादी का प्रतिशत 80 से कम होने को लेकर मोहन भागवत कई बार चिंता जता चुके हैं। वह कहते रहे हैं कि भारत में हिंदुओं का बहुसंख्यक रहना जरूरी है और देश के मूल्य इसी के चलते सुरक्षित बने हुए हैं। गौरतलब है कि कई रिपोर्ट्स में यह कहा जा चुका है कि मुस्लिमों की आबादी का प्रतिशत आजादी के बाद से अब तक बढ़ा है, जबकि हिंदुओं की आबादी का प्रतिशत 80 के करीब आ चुका है, जो कभी 88 के आसपास था।

टल गया रेल हादसा टूटी मिली पटरी

पीलीभीत (आभा)। जिले के दूधिया खुर्द रेलवे स्टेशन के पास रविवार सुबह रेलवे लाइन का एक हिस्सा संदिग्ध परिस्थितियों में टूटा पाया गया। संयोग से इस पर ग्रामीणों की नजर पड़ गई और समय पर अधिकारी और कर्मचारी पहुंच गए। इससे कोई ट्रेन इधर से नहीं गुजरी। इससे बड़ा रेल हादसा टल गया है। पूरनपुर–मैलानी ब्रॉड गेज पटरी पर सुबह करीब साढ़े छह बजे एक मालगाड़ी पूरनपुर रेलवे स्टेशन से दूधिया खुर्द स्टेशन के लिए निकली थी। ग्रामीणों के मुताबिक, धर्मपुर गांव के पास से एक मालगाड़ी गुजर रही थी कि तभी तेज आवाज के बाद रेल पटरी अचानक दो हिस्सों में बंट गई। उन्होंने बताया कि गनीमत रही कि घटना के समय पटरी पर कोई ट्रेन नहीं थी।

संभल हिंसाः घटनास्थल पर पहुंची न्यायिक आयोग की टीम ने किया जांच

मुरादाबाद (आभा)। जामा मस्जिद सर्वे के दौरान हिंसा की जांच के लिए शासन द्वारा गठित न्यायिक आयोग की तीन सदस्यीय संभल पहुंची। टीम ने घटनास्थल से अपनी जांच शुरू की। इस दौरान कड़ी सुरक्षा व्यवस्था रही। टीम ने उन सभी स्थानों पर जाकर जांच की जहां पथराव व आगजनी की घटनाएं हुई थी। इसके बाद टीम शाही जामा मस्जिद पहुंची। यहां भी कमेटी के सदर से भी जानकारी की। जांच टीम ने संभल के डाक बंगले में मंडल एवं जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ बैठक भी की। टीम करीब ढाई घंटे तक संभल में रही।

शाही जामा मस्जिद के हरिहर मंदिर होने के दावे को लेकर सिविल जज सीनियर डिविजन की कोर्ट में 19 नवंबर को वाद दायर किया गया था। जिस पर न्यायालय ने कोर्ट कमिश्नर नियुक्त करते हुए 29 नवंबर तक सर्वे रिपोर्ट मांगी थी। कोर्ट कमिश्नर रमेश राघव ने पहले 19 नवंबर और फिर 24 नवंबर को मस्जिद का पांच घंटे वीडियो व फोटो के साथ सर्वे किया। दूसरे सर्वे के दौरान ही हिंसा हुई थी। इस दौरान फायरिंग में चार लोगों की मौत हो गई थी। इस मामले 29 नवंबर को सर्वे रिपोर्ट अदालत में पेश की जानी थी, लेकिन एडवोकेट कमिश्नर की ओर से दस दिन का समय ले लिया गया। इसी दिन सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में कहा था कि निचली अदालत में इस मामले की सुनवाई नहीं होगी।

उधर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संभल हिंसा की जांच के लिए तीन सदस्यीय न्यायिक जांच आयोग का गठन किया। इनमें हाईकोर्ट के रिटायर्ड न्यायाधीश देवेंद्र अरोड़ा को आयोग का अध्यक्ष, वहीं पूर्व डीजीपी एके जैन और रिटायर्ड अपर मुख्य सचिव अमित मोहन को सदस्य बनाया गया है। आयोग के अध्यक्ष रिटायर्ड हाईकोर्ट जज देवेंद्र कुमार अरोड़ा और पूर्व डीजीपी एके जैन डाकखाना तिराहे पर पहुंचे। वहां से वह मस्जिद के पीछे भ्रमण करते हुए पीछे पहुंचे, जिसके बाद पथराव वाली गली के अंदर गए। वहां से होने के बाद वे मस्जिद पहुंचे। कमिश्नर आञ्जनेय कुमार सिंह, डीआइजी मुनिराज जी, डीएम डॉ.राजेंद्र पैंसिया और एसपी केके विश्नोई ने टीम को घटना की एक– एक करके विस्तार से जानकारी दी।

इसके बाद टीम मस्जिद के अंदर गई। करीब 15 मिनट मस्जिद के अंदर देखने के बाद बाहर आई और बाजार में पैदल भ्रमण करते हुए कोतवाली पहुंची। जिसके बाद टीम एकता चौकी,फिर एकता चौराहा देखने के बाद हिन्दूपुरा खेड़ा चौराहे पहुंची। जहां बलवा क्षेत्र का भ्रमण करने के बाद टीम पीडब्ल्यूडी गेस्ट हाउस आ गई। इस दौरान हर स्थान पर भारी संख्या में पुलिस बल मौजूद रहा। टीम को देखने के लिए लोगों की भीड़ लगी रही। दो घंटे संभल में रहने के बाद जांच टीम वापस मुरादाबाद को रवाना हो गई। भ्रमण के बाद करीब टीम ने उच्चाधिकारियों से पीडब्ल्यूडी गेस्ट हाउस में वार्ता भी की।

एक नजर

कूटरचित दस्तावेज से नौकरी हासिल करने वाले पर मुकदमा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। छावनी थाने पर कूटरचित दस्तावेज से नेत्र सहायक की नौकरी हासिल करने के आरोपी पर मुकदमा दर्ज किया गया है। फर्जीवाड़ा कर नौकरी हथियाने वाले आरोपी ने 13 नवंबर को विक्रमजोत सीएचसी में नौकरी ज्वाइन किया है। डीजी स्वास्थ्य के यहां से डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन में मामला पकड़ में आया। आरोपी को मृतक आश्रित सेवा के तहत नौकरी मिली है। थाना प्रभारी छावनी विजय कुमार दूबे ने बताया कि तहरीर के आधार पर केस दर्ज कर तफ्तीश शुरू हो गई है। विक्रमजोत सीएचसी प्रभारी डॉ. आसिफ फारूखी की तहरीर पर छावनी पुलिस ने सतीश चंद्र वर्मा पुत्र स्व. रामतीरथ वर्मा निवासी गांव बिनुहानी थाना इटियाथोक जिला गोण्डा के खिलाफ फर्जी दस्तावेजों के आधार पर नौकरी हथियाने वाले के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। आरोप है कि 13 नवंबर 2024 को सीएचसी विक्रमजोत पर नेत्र सहायक के रूप में नौकरी ज्वाइन किया था। डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन के लिए विभाग में जमा कराया गया है। डीजी मुख्यालय से विभागीय जांच में शैक्षिक दस्तावेजों में फर्जीवाड़ा पकड़ में आ गया। डीजी स्वास्थ्य ने पत्र भेजकर सीएचसी विक्रमजोत एमओआईसी डॉ. आसिफ फारूखी को केस दर्ज कराने का निर्देश मिला है। जिसके आधार पर सीएचसी प्रभारी ने छावनी थाना पर बीएनएस की विभिन्न धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कराया है।

निजीकरण के विरोध में बिजली कर्मियों की संभावित हड़ताल को तोड़ने की तैयारी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। निजीकरण के विरोध में बिजली कर्मियों की संभावित हड़ताल को तोड़ने के लिए बिजली प्रबंधन ने कमर कस ली है। जानकारों का कहना है कि डिस्कॉम स्तर से अधिकारियों, कर्मचारियों व संविदा कर्मियों की सूची तैयार करने के लिए मातहतों को निर्देशित किया गया है। इसी के साथ हड़ताल की दशा में विद्युत व्यवस्था को सुचारु रूप से संचालित करने के लिए वैकल्पिक व्यवस्था पर भी विचार किया जा रहा है। उपकेंद्रों का संचालन बनाए रखने के साथ ही हड़ताल के दौरान होने वाले फॉल्ट की मरम्मत के लिए कुशल व अकुशल कर्मियों की जरूरत हड़ताल के दौरान पड़ेगी। पिछली हड़ताल को तोड़ने में कामयाब रहे प्रबंधन के हौसले काफी बढ़े हुए बताए जा रहे हैं, वहीं बिजली कर्मियों के संगठन आर पार के मूड में हैं। संगठन से जुड़े पदाधिकारियों का कहना है कि संयुक्त संघर्ष समिति का गठन जिलों में होने के बाद आंदोलन में तेजी आ सकती है।

अभियंता संघ के क्षेत्रीय सचिव पंकज कुमार का कहना है कि निजीकरण के लिए उतावली सरकार के किसी आश्वासन पर अब भरोसा करना मुश्किल हो रहा है। निजीकरण से जहां एक ओर विद्युत कर्मियों की पदावनति व छंटनी हो जाएगी, वहीं उपभोक्ताओं का बड़े पैमाने पर उत्पीड़न शुरू हो जाएगा। एक अनुमान के अनुसार बिजली का रेट सीधे तीन गुना हो जाएगा। देश की आबादी के लगभग 70 प्रतिशत परिवार के घरों में अंधेरा छा जाएगा। अगर आंदोलन की जरूरत पड़ी तो इस बार जनता को भी आगे आना होगा। कहा कि पॉवर कॉरपोरेशन प्रबंधन झूठ के सहारे अरबों रुपये की संपत्ति कुछ चुनिंदा घरानों को कौड़ियों के दाम पर बेचना चाहता है। उन्होंने आरोप लगाया कि जब से प्रबंधन आईएएस के हाथों में गया है, निगम का घाटा लगातार बढ़ता जा रहा है। प्रबंधन घाटे का जो आंकड़ा प्रस्तुत कर रहा है वह पूरी तरह भ्रामक है।

एड्स दिवस पर गोष्ठी में दिया बचाव की जानकारी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। यूनिक वेलफेयर सोसाइटी द्वारा बनकटी के थरौली गांव में विश्व एड्स दिवस पर रविवार को जागरूक गोष्ठी आयोजित किया गया। इसमें एड्स के लक्षण एवं बचाव के बारे में जानकारी दी गई।

समाजसेवी नितेश शर्मा ने कहा कि एड्स एक भयावह बीमारी है। अन्य बीमारियों की भांति बचाव एवं उपचार से दूर किया जा सकता है। जबकि एड्स को केवल जानकारी के माध्यम से ही समाप्त किया जा सकता है। समाजसेवी वृहस्पति पाण्डेय ने कहा कि एड्स असुरक्षित रक्त लेने से, असुरक्षित यौन संबंध बनाने से, संक्रमित मां से उसके गर्भ में पल रहे बच्चे में फैलता है। जागरूकता से बचाव ही इसका उपचार है। बबिता गौतम ने उपस्थित लोगों को एड्स के लक्षण, बचाव व जागरूकता के बारे में बताया। सोसायटी के सचिव संजय कुमार गौतम ने कहा कि समय–समय पर लोगों को एड्स से बचाव हेतु जानकारी और जन जागरूकता के कार्यक्रम चलाये जाते हैं। जागरूकता रैली और गोष्ठी में मुख्य रूप से प्रियंका, माधुरी पाण्डेय, उर्मिला देवी, सुशीला देवी, विकास कुमार के साथ ही बड़ी संख्या में क्षेत्रीय नागरिक, महिलायें उपस्थित रहीं।

निःशुल्क चिकित्सा शिविर में 300 मरीजों का उपचार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। रविवार को बस्ती सदर विकास खण्ड के ग्राम पंचायत मरहा के प्रथम ग्राम प्रधान स्मृति शेष कुंजल यादव की पुण्यतिथि सेवा सप्ताह के तहत स्वास्थ्य एवं कल्याण समिति और यशोदरा हॉस्पिटल के संयुक्त तत्वाधान में निशुल्क मेडिकल परामर्श एवं दवा वितरण कैंप का आयोजन पंचायत सचिवालय मरहा के परिसर में किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत प्रथम ग्राम प्रधान कुंजल यादव के चित्र पर पुष्पांजलि के साथ ग्राम प्रधान प्रतिनिधि अखिल कुमार यादव ने किया। कैंप के दौरान 300 मरीजों ने नामांकन करा कर मेडिकल शिविर सेवा का लाभ उठाया। स्वास्थ्य शिविर को सम्पन्न कराने में रेनू बाला सत्येंद्र सहाय, डॉक्टर सुधांशु पाण्डेय, अमित कुमार गौतम, प्रियंका, आशा, शिवांगी, राम पूजन भारती आदि शामिल रहे।

ओवर ब्रिज की मांग को लेकर व्यापारियों ने किया प्रदर्शन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। । राष्ट्रीय राजमार्ग के पॉलिटेक्निक चौराहे पर आएं दिन हो रही मार्ग दुर्घटनाओं को लेकर पांडेय बाजार के व्यापारियों नेपॉलिटेक्निक चौराहे पर प्रदर्शन किया। व्यापारियों ने कहा कि पॉलिटेक्निक चौराहे पर ऐसा कोई दिन नहीं गुजरता है जिस दिन हादसा न होता हो। लगातार हो रही घटनाओं से लोगों में भय है। व्यापारियों ने निर्णय लिया है कि एक प्रतिनिधि मंडल रविवार को डीएम से मिलकर मांग–पत्र सौंपेगा। शनिवार सुबह रेलवे स्टेशन के फल व्यवसायी रामस्वरूप सोनकर की ट्रक से कुचलकर मौत होने के बाद काफी संख्या में लोग वहां जमा हो गए थे। व्यापारियो ने पॉलिटेक्निक चौराहे पर मूड़घाट की तरह पत्थर लगाकर मार्ग को बंद करने, फुटओवर ब्रिज, अंडरपास या फ्लाईओवर बनवाने की मांग की है। इस दौरान रोशन शुक्ला, ताड़क जायसवाल, चुनमुनलाल, राजकपूर सोनकर, विशाल कश्यप, आकाश कसौधन, राजकपूर, रोशन सोनकर, सचिन गुप्ता, प्रदीप गुप्ता, राजेश गुप्ता, महेश गुप्ता, विक्की सोनी, राजीव पासवान, प्रतीक गुप्ता, शुभम कसौधन सहित अन्य मौजूद रहे।

समाजसेवी एवं व्यापारी नेता गौरव गुप्ता विक्की ने केंद्रीय भूतल परिवहन मंत्री नितिन गड़करी को पत्र लिखकर पॉलिटेक्निक चौराहे पर ओवरब्रिज निर्माण की मांग की है। उनका कहना है कि इस चौराहे के आस–पास विद्यालय, दुकानें, थोक विक्रेता, गोदाम आदि मौजूद है। चौराहे से होकर काफी संख्या में लोग रोजाना गुजरते हैं। यहां पर आए दिन दुर्घटना हो रही है, जिसमें लोग जान गंवा रहे हैं। फ्लाईओवर बन जाने से लोगों की जान सुरक्षित रह सकती है।

जे. कुमार के जादू शो का उद्घाटन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। रविवार को भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि अंकुर वर्मा ने पं. अटल बिहारी बाजपेयी प्रेक्षागृह में जे. कुमार के जादू कार्यक्रम का दीप प्रज्जवलन कर उद्घाटन किया। अंकुर वर्मा ने कहा कि जादू कला भारत की सदियों पुरानी विधा है। आज इण्टरनेट के दौर में जादू देखने वालों की संख्या लगातार घट रही है। इस पर विचार करना होगा। हमें ऐसे कलाकारों का प्रोत्साहन करना होगा जो हमारी पुरानी परम्पराओं को सहेजे रखा है। भाजपा नेता जगदीश शुक्ल ने कहा कि जे. कुमार देश के प्रसिद्ध जादूगर हैं। अच्छा हो कि जनपद के लोग उनके कला को सराहे और ताकत दें।

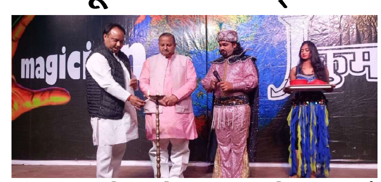

-जादू कला को बचाने की पहल करें-अंकुर वर्मा

इस मौके पर जादूगर जे. कुमार ने बताया कि पं. अटल बिहारी बाजपेयी प्रेक्षागृह में प्रतिदिन तीन शो का प्रदर्शन किया जायेगा। इनमें जादुई मंच पर हेलीकाप्टर, जिन्दा व्यक्ति को तोप से उड़ाना, खाली हाथ से नोटों की बारिश, अमेरिका का जेट टयूब मिस्ट्री आदि 36 प्रकार का जादू का खेल दिखाया जायेगा। उन्होंने दर्शकों का आवाहन किया कि वे जरूर पहुंचे और जादू कला को बढावा दें।

जादूगर जे. कुमार के शो के उद्घाटन अवसर पर मुख्य रूप से कर्मचारी नेता राम अधार पाल, अर्जुन उपाध्याय के साथ ही बड़ी संख्या में दर्शक उपस्थित रहे।

एड्स महामारी के खिलाफ लडाई में योद्धा के रूप में भूमिका निभाने का आवाहन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। नाको और उत्तर प्रदेश राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटी, लखनऊ के सहयोग से जिला एड्स नियंत्रण समिति एवं ग्रामीण विकास सेवा समिति द्वारा संयुक्त रूप से विश्व एड्स दिवस पर मुख्य चिकित्साधिकारी डा0 आर एस दूबे की अध्यक्षता में एएनएम0 ट्रेनिंग सेन्टर में विश्व एड्स दिवस की पूर्व संध्या पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

–संगोष्ठी में दिया बचाव की जानकारी
7 तक चलेगा जागरूकता अभियान

इसी कड़ी में 1 दिसम्बर रविवार को रेलवे स्टेशन बस्ती के परिसर में स्टेशन अधीक्षक की अध्यक्षता में एचआईवी/एड्स जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का शुभारम्भ स्टेशन अधीक्षक नसीम अहमद, चिकित्साधिकारी रेलवे डा0 मुसक्कीर अहमद, इस्पेक्टर आर0पी0एफ0 सुनील कुमार कसाना ने फीता काटकर किया।

मुख्य चिकित्साधिकारी डा0 आर एस दूबे ने संगोष्ठी के दौरान लोगों को एच.आई.वी./एड्स के बारे में जागरूक किया तथा उ0प्र0 राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटी द्वारा संचालित 1097 टोल फ्री नं0 में बारे में जानकारी दी। बताया कि यदि किसी भी व्यक्ति को एड्स एवं यौन रोगों के बारें में जानकारी चाहिए तो 1097 पर काल कर सकता है यह बिलकुल फ्री होता है। क्लस्टर प्रोग्राम आफिसर अखिलेश सिंह ने कहा कि हमे अपने बच्चों को भी समय समय पर एड्स एवं यौन रोगों के बारें में जानकारी प्रदान करने की आवश्यकता है।

ग्रामीण विकास सेवा समिति के सचिव अम्बुज कुमार यादव एवं सीएससी के परियोजना निदेशक रियान ने बताया कि प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी प्रत्येक समुदाय को एचआईवी के प्रति प्रवासी एवं युवाओं को विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से जागरूक किया जा रहा है। प्रिया पाण्डेय ट्रेनिंग आफिसर जीवीएसएस ने बताया 1 से 7 दिसम्बर तक एक युद्ध एचआईवी/एड्स के विरूद्ध का नारा लगाते हुए लगभग एक लाख लोगो को जागरूकता एवं सम्पर्क करने का लक्ष्य रखा गया है। इस दौरान संस्था की टीम टैटू बनाने वाले डिजाइनर, प्रवासी एवं एचआईवी के साथ जीवन यापन कर रहे लोगो से सम्पर्क स्थापित करेगी। चिकित्साधिकारी रेलवे डा0 मुसक्कीर ने बताया कि समुदाय के प्रत्येक नागरिक को जागरूक होना होगा और अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करना होगा।

टीबी एचआईवी को–आर्डिनेटर संदीप श्रीवास्तव एवं पीपीएक को–आर्डिनेटर अब्दुल सईद तथा एसटीएस अफजल ने बताया कि इस वर्ष विश्व एड्स दिवस का विषय "टेक द राइट्स पाथ" है, जो एचआईवी/एड्स महामारी के खिलाफ लड़ाई में एक योद्धा के रूप में कार्य करने की अपील की।

सरस्वती शिशु मंदिर इन्टर कालेज शिवा कालोनी, बस्ती के छात्र–छात्रोओं ने रैली एवं नाट्य कला के माध्यम से समुदाय को जागरूक किया।

जागरूकता शिविर के दौरान दिशा यूनिट के सुभाष चन्द्र यदुवंशी, ओएसटी काउंसलर अमित यादव, एआरटी से ज्योत्सना गुप्ता, श्रीनाथ पाण्डेय, सम्पूर्ण सुरक्षा क्लीनिक से ममता पाठक, प्रत्यूष, आईसीटीसी से चौधरी, स्वेता, स्वेता मणि त्रिपाठी, ग्रामीण विकास सेवा समिति के मोहम्मद असरफ, सानू, दया शंकर, सुनीता, कंचन सहित सीएससी के संजय भट्ट, अजय आदि ने जागरूकता शिविर को सफल बनाने में योगदान दिया।

विधायक अजय सिंह ने क्षेत्रीय जनता के साथ देखी द साबरमती रिपोर्ट फिल्म

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। हरैया विधायक अजय सिंह ने रविवार को लजघटा स्थित अपने पैतृक आवास पर क्षेत्रीय जनता के साथ द साबरमती रिपोर्ट फिल्म देखी।

फिल्म देखने के बाद विधायक और अन्य सभी लोग भावुक हो गए। लोगों ने इस फिल्म की जमकर सराहना की। विधायक ने कहा कि द साबरमती रिपोर्ट फिल्म न केवल गोधरा कांड की सच्चाई को दिखाता है बल्कि यह भी बताता है कि इतिहास को सही ढंग से पेश करना कितना महत्वपूर्ण है। कहा कि यह फिल्म समाज को एक सकारात्मक संदेश देती है। इस तरह की फिल्में बनती रहनी चाहिए, जिससे हमारा इतिहास समाज के सामने आये। उन्होंने कहा कि ये फिल्म सभी को देखनी चाहिए। इस फिल्म के माध्यम से गोधरा कांड में मारे गए निर्दोष लोगों को श्रद्धांजलि दी गई है। कहा कि अतीत का एक ऐसा काला सच दबाया गया था जो इस फिल्म ने उजागर किया है। वहीं फिल्म को देखने के बाद लोगों ने प्रतिक्रिया में कहा कि इस फिल्म दिखाई गयी कहानी एक भयावह सच्चाई को दर्शाती है। कहा कि गोधरा कांड और उसके बाद की घटनाओं पर आधारित फिल्म घटनाओं को समझाने के साथ समाज को जागरूक भी करती है।

फिल्म देखने में कृष्ण चन्द्र सिंह पूर्व प्रमुख, बेचू सिंह पूर्व प्रमुख, गिरिजेश बहादुर सिंह, विवेक कान्त पाण्डेय, सत्यदेव सिंह, सूर्य प्रकाश तिवारी, महेन्द्र सिंह पूर्व जिला पंचायत सदस्य, अमरनाथ सिंह, तेज बहादुर सिंह, श्रीराम सिंह, विजय पटेल, अर्जुन सिंह, आत्माराम यादव, अमित द्विवेदी, सुरेन्द्र सिंह, सुनील त्रिपाठी, बृजेश मिश्र, पंकज शुक्ला, संजय, विनोद गुप्ता, राजेश सिंह, सर्वेश द्विवेदी, अखिलेश सिंह, लवकुश वर्मा, वीरेन्द्र गौतम, मनोज पाण्डेय, द्वारिका प्रसाद, नन्दलाल गौतम, अविनाश मिश्रा, प्रशांत द्विवेदी, अनूप, विकास, जग्गू, राजू सहित सैकड़ों की संख्या में लोग मौजूद रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 2 दिसम्बर 2024 सोमवार

सम्पादकीय

चुनाव सुधारों के यक्ष प्रश्न

75 वर्षों के अस्तित्व में, चुनाव आयोग के कामकाज की आलोचनात्मक जांच करना सार्थक होगा। भारत की चुनावी यात्रा की आलोचनात्मक जांच करते हुए, हमारे पास इसकी उल्लेखनीय सफलता का जश्न मनाने के कई कारण हैं। इसने वैश्विक प्रशंसा अर्जित की है।अमरीकी सीनेटर हिलेरी क्लिंटन ने इसे स्वर्ण मानक कहा और न्यूयार्क टाइम्स ने इसे पृथ्वी पर सबसे बड़ा शो बताया। यदि हम इसके कामकाज के दायरे और आयाम को देखें तो यह निश्चित रूप से सबसे बड़ा शो था। हम भारतीयों के पास चुनाव आयोग की सफलता की कहानी पर गर्व महसूस करने के कारण हैं। इसका मतलब यह नहीं है कि हमें अपनी आंखें बंद कर लेनी चाहिएं और खुश हो जाना चाहिए। ऐसा बिल्कुल नहीं है। हमें अपनी आंखें और कान खुले रखने चाहिएं ताकि यह देखा जा सके कि इसके बेहतर कामकाज की गुंजाइश है या नहीं, जिसके लिए चुनावी सुधारों की आवश्यकता होगी। मुझे लगता है कि हमारी लोकतांत्रिक प्रणाली के संपूर्ण कामकाज की आलोचनात्मक जांच करने का समय फिर से आ गया है।

26 नवम्बर को भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने इवैंजेलिस्ट डा. के.ए. पॉल द्वारा दायर एक जनहित याचिका (पी.आई.एल.) को खारिज कर दिया, जिसमें पेपर बैल्ट वोटिंग सिस्टम की वापसी की मांग की गई थी और विभिन्न चुनावी सुधारों का प्रस्ताव दिया गया था। जस्टिस विक्रम नाथ और पी.बी. वराले की पीठ ने याचिका में कोई दम नहीं पाया और इलैक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ई.वी.एम.) की कमजोरी के दावों को निराधार बताते हुए खारिज कर दिया।

न्यायालय ने राजनीतिक नेताओं द्वारा चुनिंदा आरोपों पर आधारित तर्कों की आलोचना की और ई.वी.एम. की विश्वसनीयता पर उनके रुख में असंगतता को नोट किया। जस्टिस विक्रम नाथ ने जनहित याचिका को खारिज करते हुए टिप्पणी की कि ई.वी.एम. को केवल तभी दोषी ठहराया जाता है जब कोई हारता है, न कि तब जब कोई जीतता है। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि चंद्रबाबू नायडू ने दावा किया था कि जब वे हारे थे तो ई.वी.एम. से छेड़छाड़ की जा सकती थी, लेकिन जब वे जीते तो ऐसा कोई आरोप नहीं था। डा. पॉल, जिन्होंने खुद को ग्लोबल पीस इनिशिएटिव के अध्यक्ष के रूप में पेश किया, ने सेवानिवृत्त अधिकारियों और न्यायाधीशों से समर्थन का दावा किया, लेकिन न्यायालय ने इस बात पर जोर दिया कि याचिका में कोई दम नहीं है और यह इस तरह की चर्चाओं के लिए उपयुक्त मंच नहीं है। डा. पॉल के प्रस्तावों में मतदाताओं को प्रभावित करने के लिए पैसे या शराब बांटते हुए पकड़े जाने पर उम्मीदवारों को 5 साल के लिए अयोग्य ठहराना, मतदाता शिक्षा पहल को बढ़ाना और राजनीतिक दलों के वित्तपोषण की जांच करने के लिए तंत्र शुरू करना शामिल था। न्यायालय ने इस बात पर जोर दिया कि इस तरह की चर्चा न्यायिक मंचों के लिए उपयुक्त नहीं थी। अप्रैल में, सुप्रीम कोर्ट ने ई.वी.एम. की कार्यप्रणाली में अपने विश्वास की पुष्टि करते हुए, वोटर वैरीफिएबिल पेपर ऑडिट ट्रेल (वी.वी.पी.ए.टी.) मशीनों द्वारा उत्पन्न पच्चयों के विरुद्ध ई.वी.एम. के माध्यम से डाले गए वोटों के 100 प्रतिशत सत्यापन या वैकल्पिक रूप से पेपर बैलट पर लौटने के अनुरोधों को अस्वीकार कर दिया। हमें हमेशा याद रखना चाहिए कि संसदीय प्रणाली का मूल स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव है। इस मामले में देश का ट्रैक रिकॉर्ड बेहद संतोषजनक रहा है। फिर भी, कई मुख्य चुनाव आयुक्तों ने हमारे लोकतांत्रिक कामकाज की गुणवत्ता को और बेहतर बनाने के लिए चुनाव सुधारों पर चर्चा की है।

हालांकि कई नेताओं ने चुनाव सुधारों पर चर्चा की है, लेकिन यह अफसोस की बात है कि हमारे नेताओं ने इस सवाल को गंभीरता से नहीं लिया है। सच है, चुनाव सुधार एक जटिल मुद्दा है पर अफसोस की बात यह है कि हमारे नेताओं को चुनावी कानूनों में बड़े बदलाव करने के लिए विधि आयोग की सिफारिशों पर अमल करने के बारे में और अधिक सोचने की जरूरत है। इस मुद्दे पर नई दिल्ली में राष्ट्रीय सेमिनार में चर्चा की गई है। पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी ने कथित तौर पर विधि आयोग की सिफारिशों और दलबदल करने वाले सांसदों और राज्य विधायकों को तुरंत अयोग्य ठहराने का समर्थन किया था। दलबदल विरोधी अधिनियम स्पष्ट रूप से विफल रहा है। ऐसे सैमीनारों का वास्तव में स्वागत है। हालांकि, समर्थन की कमी के कारण इस मामले को वह ध्यान नहीं मिल पाया है जिसका वह हकदार है। इसका मुख्य कारण यह है कि राजनीतिक दल और कई राजनेता यथास्थिति बनाए रखना पसंद करते हैं ताकि वे सत्ता में बने रह सकें। इसे नकारा जाना चाहिए।

पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त टी.एन. शेषन कहा करते थे कि हमारे देश की सभी बुराइयों की उत्पत्ति चुनावी प्रक्रिया में है। उन्हें पता होना चाहिए था कि वे किस बारे में बात कर रहे हैं। अफसोस की बात यह है कि राजनेताओं को सिस्टम की खामियों को ठीक करने की बिल्कुल भी चिंता नहीं है। शायद चुनावी कानूनों के समय-समय पर संशोधन के लिए एक संवैधानिक जनादेश से सिस्टम को साफ करने में मदद मिलनी चाहिए, क्योंकि राजनेताओं और संसद की मर्जी पर कुछ भी नहीं छोड़ा जाना चाहिए। यहां, राष्ट्रपति एक प्रभावी भूमिका निभा सकते हैं।

गठबंधन की मृगमरीचिका में कांग्रेस?

— कमलेश पाण्डेय—

कांग्रेस एक पुरानी राजनीतिक पार्टी है, जिसका देशव्यापी जनाधार है। लेकिन वह इंजीतश और इगठबंधन की मृगमरीचिका में आखिर कबतक भटकेगी, यह एक यक्ष प्रश्न है? आखिर कमजोर इसियासी बैशाखियों के सहारे उसकी जीत कितना मुकम्मल कहलाएगी और स्थायी बन पाएगी, यह उससे भी ज्यादा विचारणीय पहलू है। वैसे भी जब कांग्रेस विभिन्न महत्वपूर्ण राज्यों में क्षेत्रीय दलों की बैशाखी ढूंढ़ती है या फिर मुद्दों के बियाबान में भटकती और फिर स्टैंड बदलती नजर आती है तो मुझे इसके रणनीतिकारों पर तरस आती है।

ऐसा इसलिए कि मैंने भू-जमींदारी देखी है, जहां पर लोग अपनी जमीनें ठेके या बंटाईदारी पर देकर अनाज और पैसे दोनों लेते हैं। ठीक उसी तरह से आज कांग्रेस के रसूखदार और धन्नासेठ नेता पार्टी संगठन में पद और चुनावी टिकट देने के वास्ते इवोटइ और इपैसाइ दोनों लेतेऽलिवाते हैं, यह जानते हुए भी कि सामने वाला न तो उनका जनाधार बढ़ा पाएगा और न ही चुनाव जीतव्जीतवा पाएगा। ऐसा वो सिर्फ इसलिए करते हैं कि सामने वाला अमीर है, वफादार है, पिछलग्गू भर है या फिर निहित समीकरण वश किसी ने उसकी सिफारिश की है। बेशक कुछ अपवाद भी हो सकते हैं, लेकिन वही जिनके नेहरू-गांधी परिवार से ठीकठाक सम्बन्ध हैं।

अब बात पते की करते हैं। जैसे एक शातिर बंटाईदार अपने भूस्वामी की भूमि पर भी कब्जा कर लेता है और इसमें जब वह असफल होता है तो जमीन मालिक से कम कीमत में उसकी रजिस्ट्री करवाना चाहता है। अनुभवीन भूस्वामियों को ऐसा करते हुए भी देखा सुना है। ठीक इसी प्रकार लालू प्रसाद और स्व. मुलायम सिंह यादव जैसे नवसियासी बटाईदारों ने कांग्रेस के साथ किया और आज क्षेत्रीय सियासी जमींदार बन बैठे हैं। ऐसा इसलिए सम्भव हो सका, क्योंकि निहित स्वार्थवश पीवी नरसिम्हाराव यही चाहते थे! उनके तिकड़म को सोनिया गांधी नहीं समझ सकीं!

वहीं, आज जब राहुल-प्रियंका गांधी की कांग्रेस की रीति नीति देखता हूं तो इनकी राजनीतिक जमींदारी के हश्र को महसूस भी करता हूं। कांग्रेस माने या न माने, लेकिन समाजवादी, वामपंथी और राष्ट्रवादी सियासी जमींदारों ने उसकी राजनीतिक जमींदारी को क्षत-विक्षत करने में अहम भूमिका निभाई है और हैरत की बात यह है कि वह समझ नहीं पाई और नादान बनी रही। जबकि इसके खिलाफ ठोस और जमीनी रणनीति बनानी चाहिए। जैसे कि उसके बाद जन्मी भाजपा ने किया है।

माना कि सत्ता प्राप्ति के लोभ में क्षेत्रीय दलों से गठबंधन यानी यूपीए महागठबंधन की सोच तो सही है, लेकिन इनके इशारे पर कांग्रेस संगठन को हांकना कतई सही नहीं है। कांग्रेस इससे इंकार कर सकती है, लेकिन वह आज इसी की पूरी सियासी कीमत अदा कर रही है। आज वह सत्ता में नहीं है, फिर भी उन्हीं लोगों से सहारा ढूंढ़ रही है, जो उसकी सियासी पतन के लिए कसूरवार हैं। चूंकि मैंने एआईसीसीबीजेपीपीसीसीसे मोर्चे को कवर किया है, इसलिए दावे के साथ कह सकता हूं कि कांग्रेस के अंग्रेजी भाषी दलाल नेताओं ने उसके जमीनी नेताओं को भाजपा या क्षेत्रीय दलों में जाने के लिए अभिशप्त कर दिया।

चूंकि कांग्रेस के जमीनी नेताओं के पास रणनीति और जनाधार दोनों है, इसलिए वो अपने व्यक्तिवादी मिशन में सफल रहे, लेकिन कांग्रेस दिन ब दिन डूबती चली गई। राजनीतिक परिस्थिति वश कभी दो डग आगे तो चार कदम पीछे चलने को अभिशप्त हो गई। इस बात में कोई दो राय नहीं कि किसी भी स्थापित दल को चलाने के लिए अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय और क्षेत्रीय लायजनरों की जरूरत पड़ती है, लेकिन इनके निहित स्वार्थों के ऊपर यदि ब्लॉक, जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर जनाधार रखने वाले नेताओं की उपेक्षा की जाएगी तो फिर वोट कहाँ से आएगा, यह सोचने की फुर्सत सोनिया गांधी, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी के पास नहीं होगी।

अतीत पर नजर डालें तो एक जमाना था जब गांव-गांव में कांग्रेस के मजबूत शुभचिंतक थे, लेकिन पार्टी की अव्यवहारिक रीति-नीति के चलते वह इससे दूर होते चले गए। दो टूक कहें तो भाजपा में या क्षेत्रीय दलों में शिफ्ट हो गए। ऐसे में आज कांग्रेस के पास सिर्फ उन इधनपशुओंइ की टोली बची है, जिनको दूसरी राजनीतिक पार्टियां कभी तवज्जो नहीं देतीं। इनका काम कांग्रेस की सत्ता और संगठन के बड़े नेताओं के शाही खर्चों का इंतजाम करना भर है और इसलिए इनके समर्थक ब्लॉक, जिला, राज्य व राष्ट्रीय संगठनों पर हावी हैं।

चूंकि इनका कोई जनाधार नहीं है और ये जनाधार वाले कार्यकर्ताओं को तवज्जो नहीं देते, इसलिए कांग्रेस खत्म होती चली गई। वहीं, जब से क्षेत्रीय कांग्रेस के नेता अस्तित्व रक्षा के लिए बिहार में राजद प्रमुख लालू प्रसाद व तेजस्वी यादव तथा उत्तरप्रदेश में सपा प्रमुख स्व. मुलायम सिंह यादव और अखिलेश यादव जैसे मजबूत नेताओं के इशारे पर काम करने लगे, तब से पार्टी संगठन की स्थिति और अधिक दयनीय हो गई।

आलम यह है कि कांग्रेस जैसी राजनीतिक पार्टी, जिसे देश की आजादी का श्रेय प्राप्त है, जब जनजीवन व राष्ट्रीय हितों से इतर प्रमुख जातीय, सांप्रदायिक और क्षेत्रीय समीकरणों पर खेलने लगी, तो उसकी जोड़-तोड़ से सत्ता तो बदलती रही, परंतु जनाधार छीजता चला गया। क्योंकि उसके प्रति निष्ठावान रहे प्रतिभाशाली पेशेवर, कारोबारी, प्रशासक और समाजसेवी आदि उससे दूर होते चले गए। चूंकि पहले क्षेत्रीय दलों और उसके बाद भाजपा ने उन्हें तवज्जो दी, इसलिए वो सब इनके साथ जुड़ गए, जिससे इन्हें अप्रत्याशित मजबूती मिली और कांग्रेस को कमजोरी मुबारक हुई।

अब जब कांग्रेस की टू कॉपी भाजपा बनती जा रही है तो भी कांग्रेस के थिंक टैंक को असली मुद्दे समझ में नहीं आ रहे हैं। शायद उसकी इसी मनोवृत्ति पर चोट करते हुए पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा है कि कांग्रेस को पुराने ढर्रे की राजनीति बंद करनी होगी और नए ढर्रे बनाने होंगे। अन्यथा सियासी सफलता मुश्किल है। लिहाजा कांग्रेस की इसी कमजोरी को मजबूती में बदलने का आह्वान पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने किया है।

हाल ही में हरियाणा और महाराष्ट्र में पार्टी और गठबंधन की हुई करारी हार के बाद हुई पहली कांग्रेस वर्किंग कमिटि की बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने दो टूक कहा कि अब पार्टी में जवाबदेही तय करने का वक्त आ गया है। क्योंकि इन दोनों ही राज्यों में महज चंद महीने पहले पार्टी का प्रदर्शन काफी संतोषजनक रहा था। लेकिन अब जो नई दुर्गति सामने आई है, वह हमें नए सिरे से सोचने पर मजबूर करती है।

बता दें कि 29 नवंबर 2024 शुक्रवार को हुई कांग्रेस के सर्वोच्च नीति निर्धारक इकाई की इस समीक्षा बैठक में खरगे के अलावा तमाम सीनियर नेता, नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और कांग्रेस की नवनिर्वाचित सांसद प्रियंका गांधी भी मौजूद थीं। हालांकि बैठक खत्म होने से पहले ही राहुल और प्रियंका निकल गए। इसी मीटिंग में मल्लिकार्जुन खरगे ने पार्टी के नेताओं के सामने जहां एक ओर इस निराशाजनक प्रदर्शन के लिए तमाम वजहों को गिनाया, वहीं उन्होंने ईवीएम का मुद्दा भी उठाया।

खरगे का दो टूक कहना है कि पार्टी में अनुशासन की कमी और पुराने ढर्रे की राजनीति के जरिए जीत नहीं मिल सकती। क्योंकि कांग्रेस के भीतर आपसी गुटबाजी एक स्थायी भाव बन चुकी है। उन्होंने इस ओर इशारा करते हुए कहा कि आपसी एकता की कमी और एक-दूसरे के खिलाफ बयानबाजी हमें काफी नुकसान पहुंचाती है। जब तक हम एक हो कर चुनाव नहीं लड़ेंगे, आपस में एक-दूसरे के खिलाफ बयानबाजी बंद नहीं करेंगे, तब तक अपने विरोधियों को राजनीतिक शिकस्त नहीं दे पाएंगे। इसलिए हमें हर हाल में एकजुट रहना होगा।

वहीं, उन्होंने पार्टी में अनुशासन पर जोर देते हुए संकेत दिया कि पार्टी के लोग अपने स्तर पर अनुशासन में बंधें। वैसे तो पार्टी के पास अनुशासन का हथियार है, लेकिन हम नहीं चाहते कि अपने साथियों को किसी बंधन में डालें। वहीं, खरगे ने कांग्रेस की एक और बड़ी कमी की ओर इशारा करते हुए कहा कि पार्टी अपने पक्ष के माहौल को नहीं भुना पाती। उनका कहना था कि चुनावों में माहौल हमारे पक्ष में था। लेकिन केवल माहौल पक्ष में होना भर ही जीत की गारंटी नहीं होती। इसलिए अब पार्टी में जवाबदेही तय करने का वक्त आ गया है। क्योंकि पार्टी में अनुशासन की कमी है। पार्टी के भीतर आपसी गुटबाजी एक स्थायी भाव बन चुकी है।

सच कहूं तो लोकसभा चुनाव के बाद दो राज्यों में पार्टी की हुई करारी हार के बाद शुक्रवार को सीडब्ल्यूसी मीटिंग में खरगे द्वारा पार्टी की हार की वजहों का जिक्र कोई पहला मौका नहीं था, जब पार्टी ने अपनी कमियों की ओर इंगित किया हो। यह कड़वी सच्चाई है कि कांग्रेस समस्या जानती है, उसका निदान और उपचार भी जानती है, लेकिन इसके लिए जो इच्छा शक्ति की जरूरत होती है, वह पार्टी नेतृत्व में नजर नहीं आती। यही वजह है कि 2014 के आम चुनाव के बाद असेंबली चुनावों में पार्टी की हो रही लगातार हार के बाद 2016 में कांग्रेस के तत्कालीन महासचिव दिग्विजय सिंह ने पार्टी में मेजर सर्जरी की जरूरत बताई थी। लेकिन हुआ कुछ नहीं। उल्टे जी-23 में से ज्यादातर को बाहर का रास्ता दिखा दिया गया।

इसलिए अब यह देखना दिलचस्प होगा कि खरगे द्वारा पार्टी की कमियों की ओर किया गया यह इशारा क्या वाकई पार्टी और नेताओं के भीतर कोई बदलाव लाएगा? क्या पार्टी अनुशासन की ब्लेड से मेजर सर्जरी कर पाएगी या फिर यह भी बस एक महज खानापूर्ति बन कर रह जाएगा? क्योंकि खरगे का यह सुझाव सही है कि हमें माहौल को नतीजों में बदलना सीखना होगा। उन्होंने जीत के लिए भरपूर मेहनत के साथ-साथ समयबद्ध तरीके से रणनीति बनाने और संगठन की मजबूती पर जो जोर दिया है, वह भी पते की बात है। उनका सुदीर्घ अनुभव इसमें झलकता है।उन्होंने सटीक आईना दिखाया है कि सिर्फ माहौल पक्ष में होना भर ही जीत की गारंटी नहीं होती। क्योंकि भाजपा इसे अपने पक्ष में करना जानती है। हरियाणा से लेकर महाराष्ट्र तक उसने यही किया है।

खरगे का कहना भी सही है कि हमें अपने संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करना होगा। हमें मतदाता सूची बनाने से लेकर वोट की गिनती तक रात-दिन सजग, सचेत और सावधान रहना होगा। हमारी तैयारी शुरू से लेकर मतगणना तक ऐसी होनी चाहिए कि हमारे कार्यकर्ता और सिस्टम मुस्तैदी से काम करें। वहीं उन्होंने राज्यों को भी अपना संगठन मजबूत करने पर जोर देते हुए कहा कि राष्ट्रीय मुद्दों और राष्ट्रीय नेताओं के सहारे राज्यों का चुनाव आप कब तक लड़ेंगे? उन्होंने प्रदेश संगठनों से कहा कि हाल के चुनावी नतीजों का संकेत यह भी है कि हमें राज्यों में अपनी चुनाव की तैयारी कम से कम एक साल पहले शुरू कर देनी चाहिए। उन्होंने यह कहते हुए राजनीतिक दूरदर्शिता दिखाई है कि हमारी टीम समय से पहले मैदान में मौजूद रहनी चाहिए। जो कि अपने प्रतिद्वंद्वी की तैयारियों पर नजर रखने में सक्षम हो।

वाकई ऐसा संभव हुआ तो यह कांग्रेस के लिए पुनर्जन्म जैसा होगा। लेकिन सुलगता सवाल फिर वही कि क्या पार्टी के नेताओं के अंदर अब कोई बदलाव आएगा? क्या उनके घिसे-पिटे सियासी एजेंडे और तुष्टिकरण की नीति में आमूलचूल बदलाव आएगा? क्या उनकी क्षुद्र जातीय नीतियां बदलेंगी और राष्ट्रनिर्माण के वास्ते को कोई अग्रगामी और निर्णायक कदम उठा पाएंगे! इंतजार करना श्रेयस्कर रहेगा।

एड्स पीड़ितों के प्रति बदले समाज की सोच

— योगेश कुमार गोयल—

न केवल भारत में बल्कि समस्त विश्व में लोगों के लिए 'एड्स' आज भी एक भयावह शब्द है। एड्स (एक्वायर्ड इम्यूनो डेफिशिएंसी सिन्ड्रोम) का अर्थ है शरीर में रोगों से लड़ने की क्षमता कम होने से अप्राकृतिक रोगों के अनेक लक्षण प्रकट होना। एच.आई.वी. संक्रमण के बाद एक ऐसी स्थिति बन जाती है कि इससे संक्रमित व्यक्ति की मामूली से मामूली बीमारियों का इलाज भी दूभर हो जाता है और रोगी मृत्यु की ओर खिंचा चला जाता है। आज भी यह खतरनाक बीमारी दुनियाभर के करोड़ों लोगों के शरीर में पल रही है। एड्स महामारी के कारण अफ्रीका के तो कई गांव के गांव नष्ट हो चुके हैं। 'रॉयटर्स' की एक रिपोर्ट के मुताबिक 1980 के दशक में एड्स महामारी शुरू होने के बाद से 77 मिलियन से भी अधिक लोगों में इसका वायरस फैल चुका है। वर्ष 2017 में विश्वभर में करीब 40 मिलियन लोग एचआईवी संक्रमित थे। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की रिपोर्ट के अनुसार वैश्विक स्तर पर 2023 के अंत तक 3.95 करोड़ लोग एचआईवी के साथ जी रहे थे। एड्स को लेकर जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 1 दिसंबर को एक विशेष थीम के साथ 'विश्व एड्स दिवस' मनाया जाता है, जो इस वर्ष 'टेक द राइट पाथ' (सही रास्ता अपनाएं) विषय के साथ मनाया जा रहा है।

वैसे एड्स का इतिहास काफी दिलचस्प है। दरअसल 1981 में न्यूयार्क तथा कैलिफोर्निया में न्यूमोसिस्टिस न्यूमोनिया, कपोसी सार्कोमा तथा चमड़ी रोग जैसी असाधारण बीमारी का इलाज करा रहे पांच समलैंगिक युवकों में एड्स के लक्षण पहली बार मिले थे। चूंकि जिन मरीजों में एड्स के लक्षण देखे गए थे, वे सभी समलैंगिक थे, इसलिए उस समय इस बीमारी को समलैंगिकों की ही कोई गंभीर बीमारी मानकर इसे 'गे रिलेटेड इम्यून डेफिशिएंसी' (ग्रिड) नाम दिया गया था। इन मरीजों की शारीरिक प्रतिरोधक क्षमता असाधारण रूप से कम होती जा रही थी लेकिन कुछ समय पश्चात् जब दक्षिण अफ्रीका की कुछ महिलाओं और बच्चों में भी इस बीमारी के लक्षण देखे जाने लगे, तब जाकर यह धारणा समाप्त हुई कि यह सिर्फ समलैंगिकों की ही बीमारी है। तब गहन अध्ययन के बाद पता चला कि यह बीमारी एक सूक्ष्म विषाणु के जरिये होती है, जो रक्त एवं यौन संबंधों के जरिये एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति तक पहुंचती है। तत्पश्चात् इस बीमारी को एड्स नाम दिया गया, जो एचआईवी नामक वायरस द्वारा फैलती है।

यह वायरस मानव शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली पर हमला करके मानव रक्त में पाई जाने वाली श्वेत रक्त कणिकाओं को नष्ट करता है और धीरे-धीरे ऐसे व्यक्ति के शरीर में रोग प्रतिरोधक क्षमता पूरी तरह नष्ट हो जाती है। यही स्थिति 'एड्स' कहलाती है। अगर एड्स के कारणों पर नजर डालें तो मानव शरीर में एचआईवी का वायरस फैलने का मुख्य कारण हालांकि असुरक्षित सेक्स तथा अधिक पार्टनरों के साथ शारीरिक संबंध बनाना ही है लेकिन कई बार कुछ अन्य कारण भी एचआईवी संक्रमण के लिए जिम्मेदार होते हैं। शारीरिक संबंधों द्वारा 70-80 फीसदी, संक्रमित इंजेक्शन या सुईयों द्वारा 5-10 फीसदी, संक्रमित रक्त उत्पादों के आदान-प्रदान की प्रक्रिया के जरिये 3-5 फीसदी तथा गर्भवती मां के जरिये बच्चे को 5-10 फीसदी तक एचआईवी संक्रमण की संभावना रहती है।

डब्ल्यूएचओ तथा भारत सरकार के सतत प्रयासों के चलते हालांकि एचआईवी संक्रमण तथा एड्स के संबंध में जागरूकता बढ़ाने के अभियानों का कुछ असर दिखा है और संक्रमण दर घटी है। रिपोर्ट के मुताबिक भारत में 2010 से अभी तक एचआईवी संक्रमण की दर में 40 प्रतिशत से ज्यादा की कमी आई है। फिर भी भारत में एड्स के प्रसार के कारणों में आज भी सरकारी व गैर सरकारी स्तर पर स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता एवं जिम्मेदारी का अभाव, अशिक्षा, निर्धनता, अज्ञानता और बेरोजगारी प्रमुख कारण हैं। अधिकांशतः लोग एड्स के लक्षण उभरने पर भी बदनामी के डर से न केवल एच.आई.वी. परीक्षण कराने से कतराते हैं बल्कि एचआईवी संक्रमित किसी व्यक्ति की पहचान होने पर उससे होने वाला व्यवहार तो बहुत चिंतनीय एवं निंदनीय होता है। इस दिशा में लोगों में जागरूकता पैदा करने के संबंध में सरकारी अथवा गैर सरकारी संस्थाओं द्वारा भले ही कितने भी दावे किए जाएं पर एड्स पीड़ितों के साथ भेदभाव के सामने आने वाले मामले विभिन्न राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटियों एवं सरकारी तथा गैर सरकारी प्रयासों की पोल खोलते नजर आते हैं। देशभर में ऐसे बहुत से एचआईवी संक्रमित व्यक्ति और उनके परिवार हैं, जिन्हें एचआईवी संक्रमण का खुलासा होने के बाद समाज और अपने ही लोग हिकारत भरी नजरों से देखते थे।

1959 का चीनी दावा और भारत की संप्रभुता

—मनीष तिवारी—

1959 की चीनी दावा रेखा भारत-चीन सीमा विवाद में एक केंद्रीय मुद्दा बनी हुई है। ऐतिहासिक वार्ताओं में निहित और भू-राजनीतिक गतिशीलता द्वारा आकारित, यह दावा रेखा विवादित क्षेत्रों पर नियंत्रण स्थापित करने के लिए चीन के रणनीतिक प्रयास को रेखांकित करती है। भारत की क्षेत्रीय अखंडता और इसकी व्यापक सुरक्षा चिंताओं के लिए चुनौतियों को समझने के लिए इसकी उत्पत्ति, प्रभाव और हाल की विघटन वार्ता में भूमिका का विश्लेषण करना आवश्यक है। 1959 की चीनी दावा रेखा की जड़ों का पता लगाना भारत-चीन सीमा विवाद की उत्पत्ति जम्मू-कश्मीर की पूर्ववर्ती रियासत के बीच अनिर्धारित सीमा में हुई है। कश्मीर और तिब्बत जो 1911 में किंग राजवंश के पतन के बाद चीन के ढीले आधिपत्य के तहत लगभग स्वतंत्र थे।

ब्रिटिश द्वारा सीमा और सीमा को सीमांकित करने के बार-बार प्रयासों के बावजूद 1867 की जॉनसन-अर्देघ रेखा, 1873 की विदेश कार्यालय रेखा, 1899 की मैकार्टनी-मैकडोनाल्ड रेखा और 1914 के शिमला सम्मेलन में वापस जाते हुए, जहां ब्रिटिश-भारत, तिब्बत और चीन ने अपनी क्षेत्रीय सीमाओं को परिभाषित करने की मांग की, पश्चिमी, मध्य और पूर्वी क्षेत्रों में सीमाएं अपरिभाषित रहीं। हालांकि मैकमोहन रेखा ने 1914 में शिमला में पूर्वी क्षेत्र की सीमा स्थापित की, चीन ने समझौते पर हस्ताक्षर किए, लेकिन बाद में इसकी पुष्टि करने से इंकार कर दिया, यह तर्क देते हुए कि तिब्बत में बातचीत करने के लिए संप्रभुता का अभाव है। भारत ने 1950 में स्वतंत्रता प्राप्त करने के बाद मैकमोहन रेखा को अपनी पूर्वोत्तर सीमा के रूप में अपनाया।

जनवरी, 1959 में तनाव तब बढ़ गया जब चीनी प्रधानमंत्री झोऊ एनलाई ने प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू को एक पत्र में मैकमोहन रेखा को औपचारिक रूप से चुनौती दी। इसे औपनिवेशिक काल को थोपना कहते हुए झोऊ ने पश्चिमी क्षेत्र में अक्साई चिन पर भी दावा किया, जहां चीन ने झिंजियांग-तिब्बत राजमार्ग का निर्माण किया था। यह एक निर्णायक क्षण था क्योंकि चीन ने मानचित्रों में इन दावों को दर्शाना शुरू कर दिया, जो सीधे भारत की संप्रभुता को चुनौती दे रहे थे।

झोऊ ने तनाव कम करने के लिए दोनों देशों की वापसी का प्रस्ताव रखा जिसमें पूर्व में मैकमोहन रेखा से पीछे हटना और पश्चिम में 'वास्तविक नियंत्रण' वाले क्षेत्रों से पीछे हटना शामिल था। हालांकि, नेहरू ने इन प्रस्तावों को अस्वीकार कर दिया और विशेष रूप से अक्साई चिन में उनके चीनी क्षेत्रीय लाभ को वैध बनाने के प्रयासों के रूप में मान्यता दी। इस अस्वीकृति ने संबंधों को और अधिक तनावपूर्ण बना दिया, जिसके परिणामस्वरूप अंततः 1962 का चीन-भारतीय युद्ध हुआ, जिसके दौरान चीन एकतरफा युद्धविराम की घोषणा करने से पहले 1959 की अपनी दावा रेखा तक आगे बढ़ गया।

1959 की दावा रेखा और इसके आधुनिक निहितार्थ रू भारत ने 1959 की चीनी दावा रेखा को लगातार खारिज किया है, इसे अपनी क्षेत्रीय संप्रभुता को कमजोर करने के प्रयास के रूप में देखा है। फिर भी, यह विवादास्पद रेखा कूटनीतिक चर्चाओं में सामने आती रहती है, खासकर 2020 के गलवान घाटी गतिरोध के बाद हाल ही में हुई विघटन वार्ता के दौरान। उस झड़प, जो उनकी अपनी दावा रेखा से 800 मीटर पश्चिम में हुई थी, ने विवादित क्षेत्रों पर नियंत्रण स्थापित करने के चीन के इरादे को रेखांकित किया। अधिकारियों ने 2020 से पहले की स्थिति में वापसी और गश्ती अधिकारों की बहाली की पुष्टि की है। हालांकि, इन समझौतों की शर्तों के बारे में पारदर्शिता की कमी ने आशंका जताई है कि भारत ने अनजाने में चीन की 1959 की दावा रेखा के साथ तालमेल बिठाने के लिए जमीन छोड़ दी है।

देपसांग मैदानों और चाष्डग ला का सामरिक महत्व रू देपसांग मैदानों का बहुत अधिक सामरिक महत्व है क्योंकि वे अक्साई चिन पठार तक पहुंच प्रदान करते हैं। 2020 से पहले, भारतीय गश्ती दल नियमित रूप से गश्ती बिंदुओं (पी.पी.) 10 से 13 तक पहुंचते थे, लेकिन चीनी नाकाबंदी ने इस पहुंच को गंभीर रूप से प्रतिबंधित कर दिया। हाल ही में हुए विघटन समझौते ने कथित तौर पर इन गश्ती अधिकारों को बहाल कर दिया है, फिर भी इस बात को लेकर चिंता बनी हुई है कि क्या चीनी गश्ती दल महत्वपूर्ण दरबुक-श्योक-दौलत बेग ओल्डी (डी.एस.डी.बी.ओ.) रोड के पास पहुंच सकते हैं, जो भारत को अक्साई चिन से जोड़ने वाला एक प्रमुख मार्ग है। इस तरह की पहुंच की अनुमति देने से चीन के क्षेत्रीय दावों को मौन रूप से मान्य किया जा सकता है। चाडिंग ला में, विघटन प्रक्रिया 2020 से पहले की स्थिति को बहाल करती प्रतीत होती है।

व्यापारी नेताओं के आवाहन पर बंद रहा रुपईडीहा बाजार

संवाददाता—बहराइच। उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल रुपईडीहा इकाई के आवाहन पर रविवार को थोक सब्जी मंडी, मोटर पार्ट्स, होलसेल गल्ला व्यापार सहित कपड़े व किराने की दुकाने पूर्णरूपेण बंद रहीं। व्यापार प्रतिनिधि मंडल अध्यक्ष शैलेष जायसवाल, महामंत्री योगेन्द्र शर्मा व कोषाध्यक्ष संतोष अग्रवाल ने बताया कि व्यापारी एकता के लिए सभी व्यापारियों से निवेदन कर रहे हैं कि व्यापारियों का एक ही संगठन हो। उन्होंने बताया कि 600 छोटे-बड़े व्यापारी हमारे साथ संगठित हो चुके हैं, जो नाराज हैं उन्हें भी सद्भाव व प्रेम पूर्वक मनाने की कोशिशें जारी हैं। माह की पहली तारीख को बंद करने के लिए सभी दुकानदारों से अनुरोध किया है। दूसरी ओर उत्तर प्रदेश व्यापार मंडल के पदाधिकारियों व इससे सम्बद्ध कुछ दुकानदारों ने दुकाने खोलीं। नेपालगंज के एफएम पर सूचना प्रसारित करने के कारण नेपाली ग्राहक अपेक्षाकृत कम ही आए। बाजार में रुपईडीहा प्रभारी निरीक्षक ददन सिंह दल बल के साथ सुबह से ही गश्त करते रहे। बाजार में पूर्णरूपेण शांति रही। सब्जी, क्राकरी, मोजे जूतों सहित फलों की दुकानें भी बंद रहीं। रुपईडीहा के चकियारोड, बजाजा मार्केट, आजाद नगर रोड की सभी दुकानें बंद रहीं। मालगोदाम रोड की कुछ दुकानें खुली रहीं। पान के शौकीन तब एक पान के लिए तरसते देखे गए।

मुख्यमंत्री आरोग्य स्वास्थ्य मेले में 2256 मरीजों का हुआ उपचार

संवाददाता—बलरामपुर। रविवार को जनपद बलरामपुर के चौबीस प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर मुख्यमंत्री आरोग्य स्वास्थ्य मेलों का आयोजन किया गया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी बलरामपुर डॉ मुकेश कुमार रस्तोगी ने प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र बलरामपुर और हरिहरगंज में आयोजित मुख्यमंत्री आरोग्य स्वास्थ्य मेले का निरीक्षण किया। जनपद में आयोजित मुख्यमंत्री आरोग्य स्वास्थ्य मेले में कुल 2256 लाभार्थियों को स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान किया गया। सीएमओ ने बताया की आरोग्य मेलो में कुल 2256 लाभार्थियों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हे दवाएं दी गई है। जिसमें 948 पुरुष, 762 महिलाएं तथा 546 बच्चे शामिल हैं। मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेले में इलाज कर रहे चिकित्सकों एवम पैरा मेडिकल स्टाफ को निर्देशित किया कि किसी भी मरीज को न तो बाहर की दवा और न ही बाहर की जांच लिखा जाय।

फर्जी वीजा बनाकर कुवैत भेजने वाले गिरोह का खुलासा

संवाददाता—बलरामपुर। जिले में फर्जी वीजा बनाकर कुवैत भेजने वाले गिरोह का खुलासा करते हुए पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। दूतावास से सत्यापन में बड़े पैमाने पर फर्जी वीजा बनाने का खुलासा होने के बाद पुलिस इस पूरे मामले की गहराई से छानबीन कर रही है। जो को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। दरअसल तुलसीपुर कोतवाली के गांव रेहरा के रहने वाले शकील अहमद पुत्र असगर अली ने उतरौला कोतवाली पुलिस को तहरीर देकर आरोप लगाया कि गैण्डास बुजुर्ग थाना के गांव मझौवा कुर्थुवा के रहने वाले ताहिर खान पुत्र रईस तथा इसी कोतवाली क्षेत्र के गांव नयानगर विशुनपुर के रहने वाले ताहिर अली पुत्र मुनव्वर अली ने अपने अन्य सहयोगियों के साथ मिलकर कुवैत भेजने के नाम पर उनसे 4 लाख 35 हजार रुपए ले लिया। इसके बाद फर्जी वीजा तैयार कर मेडिकल कराए जाने के नाम पर 50 हजार रुपए तथा बाद में यह कहकर की मेडिकल में फेल हो गए हैं। एक लाख रुपये और ले लिया। लेकिन जब दूतावास से वीजा का सत्यापन हुआ। तो वह फर्जी निकला। पुलिस ने जब आरोपियों को विवेचना के बाद गिरफ्तार कर पूछताछ किया तो आरोपियों ने बताया कि हम सभी लोग मिलकर वीजा बनाने का कार्य करते हैं। कुल पांच वीजा बनवाने के लिए 4 लाख 35 हजार रुपये लिए गए थे। बाद में मेडिकल कराने के नाम पर डेढ़ लाख रुपये और लिए गए। पुलिस ने वीजा बनाने के नाम पर धोखाधड़ी करने वाले तीन लोगों में बलरामपुर जिले के उतरौला कोतवाली के गांव नया नगर के रहने वाले ताहिर अली पुत्र मुनव्वर,गैण्डास बुजुर्ग थाना के गांव मझौवा कुर्थुवा के मोहम्मद आरिफ पुत्र रईस तथा मोहम्मद अहमद पुत्र मोहम्मद हनीफ को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। यह जानकारी बलरामपुर पुलिस ने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से दी।

फर्जी वीजा बनाने वाले जालसाजों को गिरफ्तार करने वाली टीम में उप निरीक्षक स्वतंत्र कुमार गुप्ता कांस्टेबल अजय विश्वकर्मा, सुरेंद्र कुमार और अंकित चौरसिया शामिल रहे।

केजरीवाल देश के झूठों के सरदार, खुद मरवाते हैं जूता और थप्पड़—बृजभूषण शरण सिंह

संवाददाता—गोण्डा। भाजपा नेता बृजभूषण शरण सिंह ने अरविंद केजरीवाल पर आरोप लगाया कि वे अपनी उपर हमले खुद करवाते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि केजरीवाल ने दिल्ली को बर्बाद कर दिया। राहुल गांधी की दोहरी नागरिकता पर मामला न्यायपालिका के हाथ में है। महाराष्ट्र में भी मंत्रालय बंटवारे पर कोई विवाद नहीं रहेगा। बृजभूषण शरण सिंह ने अरविंद केजरीवाल पर आरोप लगाया कि वे अपने ऊपर होने वाले हमले खुद करवाते हैं। उन्होंने कहा कि केजरीवाल खुद पर तरल पदार्थ, चप्पल या जूते फेंकवाते हैं और बाद में इसके लिए भाजपा को दोषी ठहराते हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली की स्थिति बेहद खराब है और केजरीवाल ने इसे पूरी तरह बर्बाद कर दिया है। उन्होंने यमुना नदी और सीलमपुर के हालात का जिक्र करते हुए कहा कि दिल्ली की गंदगी अब बर्दाश्त से बाहर है।

राहुल गांधी की दोहरी नागरिकता को लेकर उठे विवाद पर सिंह ने कहा कि यह मामला न्यायपालिका के अधीन है। उन्होंने कहा कि अगर कोई भारतीय कानून के अनुसार किसी अन्य देश का नागरिक है तो उसे भारत की नागरिकता पर पुनर्विचार करना चाहिए। न्यायपालिका इस मुद्दे पर अपना काम करेगी।

महाराष्ट्र में मुख्यमंत्री पद और मंत्रालय बंटवारे को लेकर उठे विवादों पर उन्होंने कहा कि भाजपा और उसके सहयोगी दलों के बीच कोई गंभीर तनाव नहीं है। बृजभूषण शरण सिंह ने भरोसा जताया कि भाजपा का नेतृत्व इस मुद्दे का समाधान करने में पूरी तरह सक्षम है।

सिंह ने दिल्ली की स्थिति पर कहा कि केजरीवाल ने दिल्ली को गंदगी और भ्रष्टाचार में डुबो दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्य सड़कों और प्रमुख स्थानों को छोड़कर दिल्ली के अंदरूनी इलाकों में स्थिति दयनीय है। यमुना नदी और सीलमपुर जैसे क्षेत्रों का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि यह केजरीवाल के कुशासन का परिणाम है।

पुलिस ने अंग्रेजी शराब लदे पिकअप व दो तस्करों को पकड़ा और बाद में छोड़ दिया

संवाददाता—कुशीनगर। पुलिस वाले मनमानी पर उतारू हो जाएं तो फिर नियम–कानून की परवाह नहीं करते। उन्हें अधिकारियों की नजर में चोरी पकड़े जाने का भी डर नहीं रहता है। ऐसा ही कुछ कसया थाने की पुलिस भी कर रही है। शनिवार को गोपालगढ़ के समीप फोरलेन पर पुलिस ने अंग्रेजी शराब लदे पिकअप व दो तस्करों को पकड़ा और बाद में छोड़ दिया।

घटना रात नौ बजे की है। प्रभारी निरीक्षक मातहतों संग फोरलेन पर मौजूद थे। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, प्रभारी निरीक्षक ने कुशीनगर की तरफ से आए पिकअप को गोपालगढ़ तिराहे से लगभग सौ मीटर पूरब रोका। प्लास्टिक के तिरपाल से बंधे पिकअप की तलाशी ली गई तो छिपा कर रखी गई अंग्रेजी शराब की बड़ी खेप बरामद हुई। पुलिस टीम ने पिकअप सवार दो तस्करों को भी पकड़ लिया। पुलिस टीम में शामिल एक कांस्टेबल चालक की सीट पर बैठा और पिकअप को मोड़ ओवरब्रिज की तरफ बढ़ने लगा। प्रभारी निरीक्षक भी अपने वाहन से पीछे–पीछे चल दिए। मजेदार बात यह है कि देर रात तक अंग्रेजी शराब लदी पिकअप थाने नहीं पहुंची। चर्चा है कि देर रात तस्करों से मैनेज कर पुलिस ने वाहन व तस्करों को छोड़ दिया। प्रभारी निरीक्षक की इस हरकत से सभी हैरान हैं।

बीते बुधवार को हेतिमपुर के पास फोरलेन पर कसया पुलिस ने गोरखपुर की ओर से आए ट्रक को रोकने का प्रयास किया। बताया जा रहा कि पुलिस देख चालक तेज गति से ट्रक भगाने लगा।

इस बीच कुशीनगर चौकी प्रभारी की कार में ट्रक ने टक्कर मार दी। पुलिस ने चालक व सवार तीन लोगों को पकड़ लिया। ट्रक पर दाल लदा था। चालक दाल से जुड़ा कोई कागजात नहीं दे सका। ट्रक को कुशीनगर चौकी लाया गया। देर शाम को ट्रक छोड़ दिया गया। चर्चा है कि दाल चोरी की थी।

एएसपी रितेश कुमार सिंह ने बताया कि इसकी जानकारी नहीं थी। अगर ऐसा है तो यह गंभीर मामला है। इस प्रकरण की जांच कराकर जिम्मेदार पुलिसवालों पर कार्रवाई की होगी। विशुनपुरा थाने के पृथ्वीपुर गांव में गोभी का फसल नष्ट कर भूखंड कब्जे को लेकर मारपीट के मामले में पुलिस ने रविवार को छह नामजद व 10 अज्ञात के विरुद्ध विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। सूर्यनाथ कुशवाहा ने पुलिस को दिए गए तहरीर में आरोप लगाया है कि गांव के भू माफिया नंदकिशोर, सुरेन्द्र, पारस, गुड्डू, सुरज एवं सुशील सहित 10 अज्ञात लोगों के साथ गोलबंद होकर भूमि पर लाठी डंडे आदि से लेकर जबरिया कब्जा करने लगे। जब विरोध किया तो सभी मारने पीटने लगे। बीच बचाव के लिए पोती आई तो सुरेंद्र व गुड्डू ने मारने पीटने लगे और बाल पकड़ कर जमीन पर घसीटने लगे। पुलिस ने तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर मामले के जांच में जुटी है। प्रभारी निरीक्षक रामसहाय चौहान ने कहा कि मुकदमा दर्ज कर अग्रिम कार्रवाई की जा रही है।

किसानों ने विरोध के चलते पुलिस के सामने ही भांजी लाठियां, कई घायल

संवाददाता—कुशीनगर। कुशीनगर के ढाढ़ा चीनी मिल की डिस्टलरी लगाने के लिए जमीन अधिग्रहण करने से किसानों ने रोक दिया था। वर्षों से किसानों के विरोध के कारण जमीन का अधिग्रहण नहीं हो सका। लिहाजा, रविवार की सुबह कई थानों की पुलिस जमीन अधिग्रहण करने पहुंची, जहां किसानों के भारी विरोध का सामना करना पड़ा।

इस दौरान किसानों से पुलिस की खूब नोकझोंक हुई। मौके पर अफरातफरी का माहौल कायम रहा। मौके पर शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस ने दर्जनों किसानों को हिरासत में लिया है। मौके पर तनाव की स्थिति बनी हुई है।

भारत के रास्ते कुवैत जा रहीं 13 युवतियों को सीमा पर रोका

संवाददाता—महराजगंज। इंडो–नेपाल सीमा सोनौली सटे नेपाल में रुपन्देही पुलिस ने रविवार को 13 युवतियों को सीमा पर रोका। नेपाल पुलिस की पूछताछ में पता चला कि सभी युवतियों को अवैध रूप से भारत के रास्ते कुवैत भेजने की योजना थी, जिन्हें नेपाल पुलिस ने बचा लिया। किसी के पास वर्क परमिट वीजा आदि जरूरी दस्तावेज नहीं मिले। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। रुपन्देही के पुलिस उपाधीक्षक नवीन पौडेल ने बताया कि सभी युवतियों को शांति बहाली केंद्र के सहयोग से बचाया गया है। यह केन्द्र मानव तस्करी के खिलाफ काम करता है। बचाई गई युवतियां सिंधुपालचोक, नुवाकोट, मकवानपुर, सिंधुली और झापा जिलों की रहने वाली हैं। पुलिस की प्रारंभिक जांच में पता चला है कि उनके पास वर्क परमिट वीजा, बीमा आदि दस्तावेज नहीं हैं। कहा कि नेपाल से सीधे कुवैत जाने का कानूनी रास्ता खुला होने के बावजूद वे भारतीय रास्ते का इस्तेमाल करने की कोशिश कर रहे हैं, इसलिए यह घटना संदिग्ध है।

ट्रेन की चपेट में आने से छात्र की मौत

संवाददाता—देवरिया। शहर के कसया रेलवे ढाला पार करते समय ट्रेन की चपेट में आने से एक छात्र गंभीर रूप से घायल हो गया। रविवार की देर रात अस्पताल में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना की जानकारी होने पर परिवार में कोहराम मच गया। बघौचघाट थाना क्षेत्र के महुआडिहां गांव निवासी संजय जायसवाल अपने परिवार के साथ देवरिया रहते हैं। शनिवार की सुबह संजय और उनकी पत्नी शिल्पी देवी गेहूं की बुवाई के लिए गांव आ गए थे। देवरिया में लकी (उम्र 17) और उसकी बहन काजल थे। देर शाम लकी अपनी बहन से मामा के घर जाने की बात कहकर घर से निकला था। इस दौरान वह कसया ढाला से गुजर रही ट्रेन की चपेट में आ गया। आनन–फानन में जीआरपी वालों ने उसे मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया जहां भोर में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मृतक दो भाइयों में छोटा था। वह महाराजा अग्रसेन इंटर कॉलेज में दसवीं कक्षा का छात्र था। मां और बहन का रो–रो कर बुरा हाल है।

केंद्र हस्तक्षेप कर बांग्लादेश में हिंदुओं का उत्पीड़न बंद कराए –मेजर

संवाददाता—बहराइच। बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं के उत्पीड़न को लेकर किसान पीजी कॉलेज में शोक सभा आयोजित की गई। जिसमें विद्यार्थियों तथा शिक्षकों को संबोधित करते हुए कॉलेज प्रबंध समिति के सचिव मेजर डॉ. एसपी सिंह ने भारत सरकार का आह्वान किया कि वह बांग्लादेश में हो रहे हिंदुओं के उत्पीड़न पर तत्काल रोक लगाने के लिए अंतरराष्ट्रीय मंच पर इस मुद्दे को प्रवक्ता से उठाए। जिससे वहां अल्पसंख्यक हिंदुओं के साथ हो रहे अत्याचार पर अंकुश लग सके। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश का जन्म भारत सरकार के प्रयासों से हुआ था। उन्होंने कहा कि वहां हिन्दुओं के साथ शत्रु जैसा व्यवहार हो रहा है, जिसे किसी भी दशा में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इस मामले में भारत सरकार को तत्काल कड़े कदम उठाने चाहिए, जिससे बांग्लादेश में हो रहे अमानवीय अत्याचार से हिंदुओं को छुटकारा दिलाया जा सके। कार्यालय अधीक्षक राजवंत सिंह ने कहा कि बांग्लादेश में आतंकवादियों का कब्जा हो गया है। जिन्होंने उसे देश के संस्थापक की प्रतिमा को भी नष्ट कर दिया है। ताजी हिंसक घटनाओं के कारण वहां की आर्थिक और सामाजिक स्थिति पर बुरा प्रभाव पड़ा है। बांग्लादेश की इस नकारात्मक स्थिति का प्रभाव भारत वर्ष में पड़ रहा है, जिसे किसी भी दशा में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इस मौके पर असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. अनूप कुमार शर्मा, आशु त्रिपाठी, अमित कुमार सिंह राठौर, अशोक कुमार सिंह तथा मोहित मिश्रा व विद्यार्थीगण मौजूद रहे। हिन्दू रक्षा समिति बहराइच की ओर से बांग्लादेश में हिन्दू उत्पीड़न के विरुद्ध मंगलवार दोपहर 11 बजे एक जनाक्रोश रैली का आवाहन किया गया है। रैल के लिए लोग गेंदघर में एकत्र होंगे। रैली छावनी चौराहा, घंटाघर चौक, पीपल तिरहा, नगरपालिका होते हुए धरना स्थल निकट जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचेगी। बांग्लादेश में हिन्दू जनमानस एवं हिंदू धर्म स्थलों पर किए जा रहे हमले के विरुद्ध राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपा जाएगा। यह जानकारी समिति के जिला संयोजक धनंजय सिंह एडवोकेट ने दी है।

सिद्धपीठ सरयू केलिकुंज महंत बने राधेश्याम दास

—भारतीय बस्ती संवाददाता— अयोध्या। सिद्धपीठ सरयू केलिकुंज, ऋणमोचन घाट की महंती राधेश्याम दास को सौंपी गई। रामनगरी समेत अन्य जगहों से पधारे संत–महंतों ने साधुशाही परंपरानुसार राधेश्याम दास को कंठी, चद्दर, तिलक देकर महंती की मान्यता प्रदान किया। सरयू केलिकुंज के वयोवृद्ध महंत रहे राघवेंद्र शरण रामायणी महाराज का विगत दिनों साकेतवास हो गया था। रविवार को उनका तेरहवीं संस्कार रहा। इस अवसर पर संत–महंत, महामंडलेश्वर एवं मठाधीशों ने समारोहपूर्वक राधेश्याम दास को कंठी, चादर, तिलक देकर सरयू केलिकुंज का महंत नियुक्त किया। इस मौके पर सरयू केलिकुंज के नवनियुक्त महंत राधेश्याम दास ने बताया कि संत–महंत, महामंडलेश्वर और पीठाधीशों ने उन्हें आश्रम का महंत बनाया है। उनकी ताजपोशी सरयू केलिकुंज के गद्दी पर की गई है। संतों ने उन्हें जिस पद की बागडोर सौंपी है। उस पर वह अक्षरशः खरा उतरेंगे। उनके द्वारा ऐसा कोई कार्य नही किया जायेगा, जिससे महंत पद और मठ की प्रतिष्ठा धूमिल हो। सदैव महंत पद की प्रतिष्ठा अक्षुण्ण बनाए रखेंगे। आश्रम में भगवान की सेवा संग गौ, संत, विद्यार्थी, आगंतुक आदि सेवा सुचार रूप से चलती रहेगी। आश्रम का सर्वांगीण विकास करेंगे। मंदिर के पूर्वाचार्यों की परंपरा का हमेशा निर्वाहन करते रहेंगे। नवनियुक्त महंत ने आए हुए संतों का स्वागत–सत्कार किया। महंताई समारोह में मणिरामदास छावनी के महंत कमलनयन दास, श्रीरामवल्लभाकुंज के अधिकारी राजकुमार दास, खाकचौक के महंत अयोध्या दास, बड़ाभक्तमाल के महंत स्वामी अवधेश कुमार दास, रामचरितमानस विद्यापीठ के महंत कमलादास रामायणी, भागवत विद्यापीठ के महंत नव्यन्यायाचार्य तुलसीदास, लालसाहेब दरबार के महंत रामनरेश शरण, महंत रामाश्रय शरण भिवानी, हनुमान टेकरी महंत प्रियाशरण, मौनी माझा के उत्तराधिकारी महंत प्रेमनारायण दास, हनुमान टेकरी वृंदावन के महंत दशरथ दास, महंत बालक दास वृंदावन, महंत ज्ञानानंद दास गोवर्धन, महंत संत शरण बरेली, भेंट द्वारका पीठाधीश्वर महंत गोपाल दास, महंत रामरसिक शरण, रामायणी अजीत दास हनुमानगढ़ी, महंत रामलोचन शरण, व्यास भगवान शरण, व्यास श्याम दास, रामायणी गोवर्धन दास आदि संत–महंत उपस्थित रहे।

3 दिसंबर से जानकी महल में बेटी के रूप में मनाया जायेगा किशोरी जी का विवाह

—भारतीय बस्ती संवाददाता— अयोध्या। रामनगरी के श्री जानकी महल ट्रस्ट में मिथिला पद्धति से विवाहोत्सव मनाया जाता है। यहां पर भगवान राम को दुल्हा सरकार और किशोरी जी को बेटी माना जाता है। श्री जानकी महल ट्रस्ट का सीताराम विवाहोत्सव देखने के लिए दूर दूर से लोग आते है। यहां की विवाहोत्सव सुप्रसिद्ध है। जो अपने आप में अद्वितीय है। रामनगरी के कनक भवन, लक्ष्मणकिला, हनुमान बाग, दशरथ राजमहल बड़ा स्थान रसमोद कुंज रंग महल विअहुती भवन आदि का विवाहोत्सव देखने के लिए लोग आतुर रहते है।जानकी महल ट्रस्ट में सीता के बिना श्रीराम की कल्पना तक नहीं की जाती है और ऐसे में श्रीराम एवं सीता के मिलन के महापर्व पर यहां उत्सव का चरम परिलक्षित होता है। श्री जानकी महल ट्रस्ट में 3 दिसंबर को सुबह 9 से प्रधान मंदिर में रामार्चा पूजन के साथ उत्सव का शुभारंभ होगा। शाम 6 रामलीला और रात्रि 80 बजे गणेश पूजन प्रधान मंदिर में किया जाएगा। दूसरे दिन दोपहर में बुधवार को 2 बजे फुलवारी लीला होगी जिसमें अयोध्या के दर्जनों संत महंत विराजमान होंगे ऐसा माना जाता है कि जानकी महल की फुलवारी लीला सबसे अद्भुत होती है। 5 दिसंबर को सुबह 10 बजे हल्दात तिलक और मेंहदी। शाम 6 बजे रामलीला और 8 बजे बिनौरी नाग का कार्यक्रम प्रधान मंदिर में होगा। 6 दिसंबर को सुबह 9 न्यौछावरी नेग, 10 मुकलावा नेग, शाम 5 बजे घुड़चढ़ी बारात प्रस्थान करेगी और रात्रि 10 बजे विवाह होगा। 7 दिसंबर को रात्रि 8रू00 बजे 56 भोग दर्शन कुंवर कलेवा प्रधान मंदिर में होगी। ट्रस्टी आदित्य सुल्तानिया ने बताया कि इस उत्सव में कुछ खास होने जा रहा है। दूल्हा सरकार व किशोरी जू को रुकमण ज्वेलर्स ने विशेष आभूषण बनवायें है जो विवाह उत्सव पर युगल सरकार को समर्पित किया जायेगा और दिल्ली की मशहूर रामलीला जो प्राण प्रतिष्ठा के समय रामलला के सम्मुख लीला कर चुकी है। वही लीला इस बार राम विवाह में जानकी महल की शोभा बढ़ायेगी।

उन्होंने बताया कि वर पक्ष व वधू पक्ष मिलाकर करीब 1 हजार लोगो के लिए खानपीने की विशेष व्यवस्था ट्रस्ट ने कराई है। बनारस की मशहूर चाट जो उद्योगपति अंबानी परिवार के विवाह की सेवा दे चुके है बनारस की काशी चाट भंडार इस बार भगवान राम की बारातियों की सेवा में शामिल होगा साथ ही कलकत्ता का चाय टोस्ट व कानपुर की दूध सभी का सभी लोग लुफ्त उठायेंगे। वर पक्ष की अगुवाई दिल्ली के मुरारी लाल अग्रवाल करेंगे तो वधू पक्ष जानकी महल ट्रस्ट दुल्हा सरकार व बारातियों की सेवा करेगा।तो वही करीब हजार लोगों को वस्त्र, कंबल, राशन व ऊनी कपड़े भेंट किये जायेंगे।कार्यक्रम को सफल बनाने में ट्रस्टी दिलीप सुल्तानिया, नीता सुल्तानिया, अरुण सुल्तानिया समेत पूरा जानकी महल परिवार लगा हुआ है।

श्रीमद् भागवत कथा श्रवण से सभी का कल्याण होता है –महंत गिरीश त्रिपाठी

—भारतीय बस्ती संवाददाता— अयोध्या। पांडे परिवार द्वारा आयोजित आधुनिक नवीन मैरिज हॉल खजुरहट में श्रीमद् भागवत कथा का उद्घाटन परिवार के गुरु एवं अयोध्या नगरनिगम के महापौर महंत गिरीशपति त्रिपाठी महाराज ने व्यास पीठ के पूजन के साथ व्यास पीठ पर विराजमान अयोध्या धाम के श्री राम कथा और श्रीमद् भागवत कथा के मर्मज्ञ आचार्य राधेश्याम शास्त्री महाराज का तिलक और पूजन करके किया। कथा के शुभारंभ भावसार पर अपना आशीर्वचन देते हुए महंत गिरीशपति त्रिपाठी ने कहा कि कथा श्रीमद् भागवत कथा श्रवण मात्र से जीव का कल्याण हो जाता है और श्रीमद् भागवत कथा अमृत दायनी है कथा करने वाले भक्त परिवार को मैं आशीर्वचन देता हूं की ऐसी कथा निरंतर होती रहे जिससे जगत का कल्याण हो।

कथा के प्रथम दिवस की बेला में आचार्य राधेश्याम शास्त्री जी महाराज ने श्रीमद भागवत कथा प्रेम शक्ति नेत्र, और सरल भाव वाले श्री शुकदेव जी के मुख से निकला है और सम्पूर्ण सिद्धांतों का निष्कर्ष यह दिव्य ग्रन्थ जन्म और मृत्यु के भय को को समाप्त करता है और हमारे अंदर भक्ति प्रवाह को बढ़ाता है। और भगवान श्री कृष्ण को को प्रसन्न करने का सबसे मुख्य साधन श्रीमद भागवत महापुराण ही है।

उद्घाटन सत्र में वरिष्ठ ज्योतिषाचार्य पंडित राकेश तिवारी अयोध्या, सहादतगंज हनुमानगढ़ी के संत त्रिलोकीनाथ महाराज,कटरा कुटी हनुमानगढ़ी के महंत चिन्मयानंद दास महाराज, अयोध्या के मधुकरिया संत मिथिलाबिहारी दास,कथा व्यास श्री विनयनंद महाराज, पण्डित मधुसूदन मिश्रा(कल्लू बाबा) के साथ मानस तिवारी, रमेश राणा ,श्रीनिवास शास्त्री शिवमोहन शुक्ला ,अरुण तिवारी,विनय पाण्डेय, रामाकांत दूबे, राहुल तिवारी, मनोज कुमार , कपिल तिवारी, बीजेपी वरिष्ठ नेता पवनेश पाण्डेय के साथ कई गणमान्य सदस्य मौजूद रहे।

दो बाइकों की टक्कर में पति की मौत, पत्नी बाल–बाल बची

संवाददाता—गोण्डा। थानाक्षेत्र में बालेश्वरगंज मोड़ पर रविवार को दो बाइकों की आमने–सामने की टक्कर में पति की मौत हो गई जबकि पत्नी बाल – बाल बच गई। उन्हें बहुत ही मामूली चोट आई है। घटना के बाद पुलिस ने दोनों बाइकों को अपने कब्जे में ले लिया है। मृतक के भाई की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। बताया जाता है कि थानाक्षेत्र के बलेश्वरगंज दुर्जनपुर मार्ग पर रविवार दोपहर 12रू30 जमुनहा डल्लापुर सीमा पर दो बाइकों की आमने–सामने हुई टक्कर में चड़ौवा के शेषनाथ तिवारी (55) पुत्र स्वामीनाथ तिवारी की मृत्यु हो गई जबकि बाइक पर पीछे बैठी पत्नी राजकली बाल–बाल बच गयी। हादसे के बाद व्यक्ति अपनी बाइक छोड़ कर मौके से फरार हो गया। शेषनाथ अपनी पत्नी के साथ ससुराल जमुनहा मझरेती जा रहे थे कि यह हादसा हो गया। मृतक दो भाइयों में बड़े थे। चार माह पहले उनके पिता स्वामीनाथ की मौत हुई है जबकि मां शांति देवी लकवा लगने से चलने फिरने में असमर्थ हैं। मृतक के तीन पुत्र हैं, जिनमें बड़े पुत्र जटाशंकर तिवारी 23 वर्ष की शादी हो चुकी है, छोटा भाई पंकज तिवारी के साथ लुधियाना में प्राइवेट नौकरी कर रहे। जबकि मझला भाई अक्षय तिवारी घर पर रहकर खेती में पिता की मदद करता है। प्रभारी थानाध्यक्ष विश्वास कुमार चतुर्वेदी ने बताया कि मृतक के भाई राजन तिवारी की तहरीर पर मुकदमा दर्ज किया गया है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। दुर्घटना में शामिल दोनों बाइकों को कब्जे में ले लिया गया है।

टॉप–10 अपराधियों को पैरवी कर दिलाएं सजा–एसपी

संवाददाता—श्रावस्ती। पुलिस लाइन परिसर में गोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें अभियोजन, न्यायालय पैरोकार व न्यायालय सम्मन सेल के कर्मचारी शामिल रहे। गोष्ठी में अपराधियों को पैरवी कर सजा दिलाए जाने का निर्देश दिया गया। गोष्ठी का आयोजन पुलिस अधीक्षक घनश्याम चौरसिया की अध्यक्षता में हुआ। इस दौरान नोटिस, सम्मन के डिजिटल माध्यम (व्हाट्सएप आदि) से अधिक से अधिक तामिला कराने व ऑपरेशन कनविक्शन के तहत जनपद के चिन्हित टॉप–10 अपराधियों को पैरवी कर सजा दिलाए जाने के संबंध में जरूरी निर्देश दिए गए। एसपी ने कहा कि गंभीर मामलों के जो भी अपराधी हैं। उस मामले की पैरवी प्राथमिकता से करें। पैरवी करते हुए संबंधित अपराधियों को सजा दिलाएं। जिससे भयमुक्त समाज का निर्माण हो सके।

142 दिव्यांगों को बांटे गए सहायक उपकरण, चेहरे खिले

संवाददाता—श्रावस्ती। जमुनहा विकास क्षेत्र के ब्लाक संसाधन केन्द्र जमुनहा में रविवार को सहायक उपकरण वितरण शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें एलिम्को कानपुर के सहयोग से 142 दिव्यांगों को सहायक उपकरण वितरित किए गए। उपकरण पाकर दिव्यांगों के चेहरे खुशी से खिल उठे। जमुनहा एसडीएम अशीष भारद्वाज ने समग्र शिक्षा अभियान योजना के तहत सभी दिव्यांगों को उपकरण का वितरण किया। उन्होंने कहा कि हम सभी यह विचारधारा बना लेते हैं कि दिव्यांगजन समाज का वंचित वर्ग है और वो कोई कार्य नहीं कर सकते। लेकिन यह हमारा भ्रम है। आज हजारों ऐसे उदाहरण हैं जहां दिव्यांग जनों ने अपनी क्षमता का परचम फहराया है। दिव्यांग बच्चों को शिक्षा की मुख्य धारा में समाहित किए जाने के उद्देश्य से अनेक योजनाएं संचालित की जा रही हैं। उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि आप योजनाओं के संबंध में जानकारी प्राप्त करते हुए उनका लाभ उठाएं। जिला समन्वयक अजीत कुमार उपाध्याय ने बताया कि 13 सितम्बर को मेजरमेन्ट कैम्प में चिन्हीकरण के दौरान 291 बच्चों का परीक्षण एलिम्को कानपुर के विशेषज्ञों की ओर से किया गया था। जिसमें 142 बच्चों को उपकरण प्रदान करने को पंजीकृत किया गया था। उन्होंने बताया कि 15 बच्चों को ट्राईसाइकिल, 11 बच्चों को व्हीलचेयर, चार बच्चों को सीपी चेयर, छह बच्चों को वैशाखी, चार बच्चों को रोलेटर, पांच बच्चों को ब्रेल किट, 47 बच्चों को टीएलएम किट, पांच बच्चों को छड़ी, 54 बच्चों को हियरिंग एड, 15 बच्चों को कैलीपर प्रदान किया गया है। इस मौके पर जमुनहा एबीएसए सतीश कुमार, सुजीत सिंह, उमाशंकर, प्रदीप कुमार, सत्य प्रकाश, प्रतिभा सिंह, चंद्रशेखर यादव, आलोक गुप्ता, पवन कुमार वर्मा आदि मौजूद रहे।

सीएम योगी ने कहा– दहेज प्रथा पर कुठाराघात है सामूहिक विवाह योजना, 1209 जोड़े बंधे विवाह के बंधन मे

संवाददाता–गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रदेश सरकार के समाज कल्याण विभाग की तरफ से होने वाला मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह कार्यक्रम एक तरफ सामाजिक समता का प्रतीक है तो वहीं दूसरी तरफ यह समाज की बड़ी विकृति दहेज प्रथा पर प्रहार भी है। सामूहिक विवाह कार्यक्रम में जाति, मत, मजहब, क्षेत्र, भाषा का कोई बंधन नहीं है। हिंदू, मुस्लिम या अन्य मतावलंबी, सभी अपनी–अपनी परंपरा के अनुरूप विवाह के पवित्र बंधन में जुड़ रहे हैं। साथ ही यह कार्यक्रम दहेज, बाल विवाह और अस्पृश्यता के खिलाफ सरकार द्वारा शुरू की गई एक लड़ाई और अभियान भी है।

सीएम योगी रविवार को हिंदुस्तान उर्वरक एवं रसायन लिमिटेड (खाद कारखाना) के परिसर में 1200 जोड़ों के मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह समारोह को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कई बार दहेज के कारण योग्य कन्याएं विवाह बंधन से नहीं जुड़ पाती थीं, ऐसे में सामूहिक विवाह कार्यक्रम से जुड़ने वाले सभी युवक–युवतियों ने दहेज न ले–दे कर समाज में आदर्श प्रस्तुत किया है। उन्होंने बताया कि प्रदेश सरकार मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत वर्ष 2017 से अब तक सात साल में 3 लाख 84 हजार शादियां करा चुकी है। यह सत्र संपन्न होने पर यह संख्या 4 लाख से अधिक हो चुकी होगी। सीएम योगी ने कहा कि गरीब बेटियों को दहेज के भेड़ियों से बचाने के लिए मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह के कार्यक्रम हर जिले में हो रहे हैं। सरकार की मंशा है कि कोई बेटी दहेज के कारण अनब्याही न रहे। इसके लिए ही सामूहिक विवाह कार्यक्रम को अभियान रूप में चलाया जा रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जब अच्छी सरकार होती है तो अच्छे कार्य होते हैं। 2014 में जब नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री बने तो उन्होंने अच्छे कार्यों की श्रृंखला खड़ी कर दी। महिलाओं के लिए बेटी बचाओ–बेटी पढ़ाओ जैसी योजना चलाई, नारी गरिमा की रक्षा के लिए गांव–गांव, घर–घर व्यक्तिगत शौचालय बनवाए। मुफ्त रसोई गैस कनेक्शन दिए, मुफ्त राशन और जिनके पास आवास नहीं तेज उन्हें आवास दिए। बीमारी के उपचार के लिए पांच लाख रुपये तक के इलाज लिए आयुष्मान कार्ड दिए। जबकि पहले घरों में शौचालय न होने से नारी गरिमा पर आंच आती थी। लकड़ी और कोयले के धुएं से निकलने वाली खतरनाक गैस से महिलाओं की आंख और फेफड़े खराब होते थे। आज हर घर सिलेंडर होने से यह दिक्कत दूर हो ही गई है, साथ ही सरकार दिवाली और होली में मुफ्त सिलेंडर दे रही है। सीएम ने कहा कि सरकार हर तबके को लाभान्वित कर रही है। श्रमिकों के बच्चों की मुफ्त शिक्षा के लिए अटल आवासीय विद्यालय चल रहे हैं, निराश्रित, दिव्यांगजन आदि 1 करोड़ लोगों को 12 हजार रुपये सालाना पेंशन दिया जा रहा है। कन्या सुमंगला योजना के तहत 20 लाख बेटियों के स्वावलंबन के लिए 25 हजार रुपये का पैकेज दिया गया है। सीएम योगी ने सामूहिक विवाह के कार्यक्रम को एक ऐसा उत्सव बताया जिसमें मुख्यमंत्री खुद आए और साथ में कई जनप्रतिनिधि भी। उन्होंने कहा कि किसी एक शादी में उनके लिए समय निकाल पाना मुश्किल होता है लेकिन आज का यह आयोजन ऐसा शुभ व उत्सवी है जहां मुख्यमंत्री और कई जनप्रतिनिधि आए हैं। उन्होंने कहा कि आज विवाह बंधन में जुड़ने वाले युवा और उनके अभिभावक इसलिए भी भाग्यशाली हैं कि उनके विवाह का निमंत्रण स्वयं प्रशासन दे रहा है। समाज कल्याण विभाग की तरफ से आयोजित इस समारोह में 1200 जोड़े विवाह के पावन बंधन में बंधे। नवयुगलों में हिंदू, मुस्लिम दोनों शामिल रहे। सभी नव दम्पतियों को आशीर्वाद देते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उनके सुखमय और मंगलमय जीवन की कामना की। इस अवसर पर उन्होंने मंच से दस नवयुगलों को उपहार–शगुन किट भेंट किया। उपहार देने के दौरान मुख्यमंत्री ने जोड़ों से आत्मीय संवाद भी किया। मंच पर जोड़ों को आशीर्वाद देने के अलावा मुख्यमंत्री कार्यक्रम स्थल के मुख्य मंडप में भी गए। मंडप की व्यवस्थाओं का जायजा लेने के साथ उन्होंने नवयुगलों और उनके अभिभावकों को विवाह की शुभकामनाएं दीं। मंडप में मुख्यमंत्री की नजर जब वहां बराती बनकर आए कुछ बच्चों पर पड़ी तो वह मुस्कुरा उठे। उन्होंने उन्हें आशीर्वाद के साथ चॉकलेट दिया। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह समारोह को महापौर डॉ. मंगलेश श्रीवास्तव, चिल्लूपार के विधायक राजेश त्रिपाठी और पिपराइच के विधायक महेंद्रपाल सिंह ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम में विधायक फतेह बहादुर सिंह, विपिन सिंह, डॉ. विमलेश पासवान, प्रदीप शुक्ल, सरवन निषाद, भाजपा के जिलाध्यक्ष युधिष्ठिर सिंह, महानगर अध्यक्ष राजेश गुप्ता आदि भी उपस्थित रहे।

मंत्री नंदी के फ्लीट की बोलेरो ट्रैक्टर से टकराई, हादसे में बाल बाल बचे मंत्री नंदी, तीन जवान घायल

संवाददाता–गोरखपुर। गोरखपुर औद्योगिक विकास प्राधिकरण के 35वें स्थापना दिवस समारोह से लौटते समय प्रदेश के औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी के काफिले में शामिल एक वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो गया। यह हादसा संत कबीरनगर जिले की कांटी चौकी के पास हुआ। कैबिनेट मंत्री की सुरक्षा में चल रही बोलेरो गाड़ी जिसमें सीआरपीएफ के जवान सवार थे, वो एक ट्रैक्टर से टकरा गई। हादसे में सीआरपीएफ के तीन जवान जख्मी हो गए। तेज रफ्तार काफिले में अचानक बीच में ट्रैक्टर घुस गया। मंत्री का वाहन फार्च्यूनर कुछ सेकंड पहले ही पास हुआ था, वरना मंत्री में हादसे का शिकार हो सकते थे। मंत्री के गाड़ी के ठीक पीछे चल रही सीआरपीएफ के जवानों की बोलेरो ट्रैक्टर से टकरा गई। ट्रैक्टर चालक की लापरवाही से हुए इस हादसे में सीआरपीएफ के तीन जवान घायल हो गए और बोलेरो के चालक नीरज को भी चोट आई। मंत्री नंदी तत्काल घायल जवानों को अपनी गाड़ी में बिठाकर जनपद बस्ती स्थित श्री कृष्ण मिशन हॉस्पिटल पहुंचे। यहां घायलों का प्राथमिक उपचार किया गया। घटना में सीआरपीएफ दो जवानों के सर में और एक जवान के हाथ में चोट आई है। घटना की सूचना मिलते ही एडिशनल एसपी बस्ती और सीओ सिटी अस्पताल पहुंचे। बस्ती के श्री कृष्ण मिशन हॉस्पिटल में घायल सीआरपीएफ जवानों और ड्राइवर का प्राथमिक उपचार कराने के बाद मंत्री नंदी घायल जवानों को लेकर मेदांता लखनऊ के लिए रवाना हो गए।

कृषि वैज्ञानिक पद्मश्री रामचेत चौधरी को मिला भारत विभूषण सम्मान

संवाददाता–गोरखपुर। गोरखपुर के कृषि वैज्ञानिक पद्मश्री डॉ राम चेत चौधरी को गत दिवस दिल्ली विधानसभा में भारत विभूषण सम्मान से सम्मानित किया गया। पदमश्री डॉ रामचेत चौधरी ने संयुक्त राष्ट्र के साथ मिल कर कालानमक चावल, सुनहरी शकरकंद आदि की खेती को संरक्षित एवं उसके संवर्धन का काम किया है।

79 वर्षीय राम चेत चौधरी ने सम्मानित किए जाने पर हर्ष व्यक्त किया। दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष राम निवास गोयल के हाथों सम्मानित किया जाना उनके लिए सम्मान की बात है। डॉ राम चेत चौधरी को पदम पुरस्कार समेत 45 से ज्यादा सम्मान मिल चुके हैं। डॉ राम चेत चौधरी महात्मा बुद्ध के महाप्रसाद (कालानमक चावल) को संरक्षित करने के लिए करीब 30 साल से काम कर रहे हैं। वे गैर सरकारी संगठन पार्टिसिपेटरी रूरल डेवलपमेंट फाउंडेशन (पीआरडीएफ) के अध्यक्ष भी हैं, जिन्होंने काला नमक धान की तीन नई किस्म तैयार की है, जिससे कालानमक धान की न केवल पैदावार दोगुनी हुई बल्कि काफी संख्या में किसान कालानमक धान की खेती के प्रति आकृष्ट हुए। डॉ राम चेत चौधरी ने गोविंद बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, पंतनगर में 10 वर्षों तक, डॉ राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय पूसा में 5 वर्षों तक शैक्षणिक क्षेत्र में सेवाएं दीं। संयुक्त राष्ट्र के साथ–साथ 40 से अधिक देशों में कृषि के क्षेत्र में सेवाएं दीं।

तरकुलहा दर्शन कर पति संग लौट रही थी विवाहिता, 'अंजान' लेकर फरार

संवाददाता–गोरखपुर। तरकुलहा देवी के दर्शन कर पति के साथ वापस लौट रही विवाहिता को खोराबार के जंगल सीकरी बाईपास के पास से चार पहिया सवार युवक लेकर फरार हो गए। इस मामले में विवाहिता के पिता ने खोराबार थाने में तहरीर दी है। इसके बाद पुलिस विवाहिता की तलाश में जुटी गई।

विवाहिता के पिता ने तहरीर में लिखा है कि शनिवार सुबह बेटी पति के साथ बाइक से तरकुलहा माता मंदिर दर्शन करने के लिए गई थी। दोपहर बाद वापस घर लौटते समय वह जंगल सिकरी बाईपास पर पहुंची, वहां पति ने किसी काम से गाड़ी रोक दी। वहां पहले से खड़ी चारपहिया गाड़ी में सवार युवकों ने बेटी को बैठाकर मोतीराम अड्डा की तरफ फरार हो गए। खोराबार थाने की पुलिस का कहना है कि युवती की 20 नवंबर को खोराबार इलाके के एक युवक से शादी हुई थी। परिजनों का कहना है कि शादी के बाद ससुराल आकर वह किसी युवक से मोबाइल पर बात करती थी। उसे मना भी किया जाता था। शनिवार को भी वह किसी युवक से बात कर रही थी। तभी एक चार पहिया गाड़ी आई, उसमें बैठकर वह निकल गई।

महंत अवेद्यनाथ स्मृति अखिल भारतीय कबड्डी प्रतियोगिता का आगाज, खेल मंत्री ने किया शुभारंभ

संवाददाता–गोरखपुर। महंत अवेद्यनाथ स्मृति अखिल भारतीय आमंत्रण प्राइजमनी कबड्डी प्रतियोगिता का रविवार को क्षेत्रीय क्रीड़ांगन में आगाज हो गया। प्रदेश के खेल मंत्री गिरीश चन्द्र यादव ने गुब्बारा उड़ाकर और खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर चार दिवसीय प्रतियोगिता का उद्घाटन किया। उद्घाटन मैच एसएसबी और राजस्थान के बीच खेला गया। उद्घाटन मैच में राजस्थान ने धमाकेदार जीत दर्ज की।

इस अवसर पर खेल मंत्री गिरीश चंद्र यादव ने कहा कि महंत अवेद्यनाथ के योगदान को ये देश कभी नहीं भूल सकता। उनकी स्मृति में और भी प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। खिलाड़ियों को तराशने के लिए और बेहतर प्रयास किए जाएंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में खेल और खिलाड़ियों के प्रोत्साहन के लिए बनाई गई नीतियों से उत्तर प्रदेश के खेल क्षेत्र में अभूतपूर्व परिवर्तन हुआ है। युवाओं को खेल से जोड़ने के लिए सरकार ने काफी काम किया है।

खेल मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खेलो इंडिया यूथ गेम्स, खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स, सांसद खेल स्पर्धा की शुरुआत कर और खेल बजट को तीन गुना करके खिलाड़ियों को हर प्रकार से प्रोत्साहित करने का कार्य किया है। वर्ष 2017 से उत्तर प्रदेश सरकार ने खेल के क्षेत्र में ऐतिहासिक निर्णय लिए हैं। ऐसे खिलाड़ी जो ओलंपिक, पैराओलंपिक, एशियन गेम्स तथा राष्ट्रमंडल आदि में पदक लाएंगे, उन्हें राजपत्रित अधिकारी बनाने का निर्णय लिया गया है। यह उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग से इतर सीधी भर्ती होगी। सभी भर्तियों में दो प्रतिशत स्पोर्ट कोटा लागू किया गया है। सरकार ग्रामीण स्तर से लेकर प्रदेश स्तर तक के खिलाड़ियों को प्रदेश सरकार हर सम्भव सुविधा देने की दिशा में आगे बढ़ रही है। आर्थिक रूप से कमजोर खिलाड़ियों को एकलव्य क्रीड़ा कोष के तहत सुविधा प्रदान की जा रही है।

प्रतियोगिता के शुभारंभ के अवसर पर खेल निदेशक डॉ आरपी सिंह, राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष चारू चौधरी, अर्जुन अवार्डी प्रेम माया, पूर्व महापौर सत्या पांडेय, क्षेत्रीय क्रीड़ा अधिकारी आले हैदर, उप क्रीड़ाधिकारी आजाद सिंह व धर्मवीर सिंह, उप्र कुश्ती संघ के उपाध्यक्ष आदित्य प्रताप सिंह आगू आदि मौजूद रहे।

इंजेक्शन से बच्ची की तबीयत बिगड़ी, मौत के बाद हंगामा

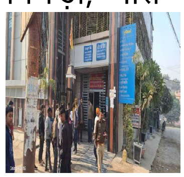

संवाददाता–गोरखपुर। तीन साल की एक बच्ची की अस्पताल में इंजेक्शन लगाते समय मौत हो गई। बच्ची के परिवारीजनों ने नर्स पर लापरवाही से अधिक डोज देने का आरोप के एक अस्पताल में इंजेक्शन लगने के बाद तीन साल की एक बच्ची की मौत हो गई। बच्ची की मौत के बाद उसके परिवारवालों ने जमकर हंगामा किया। हंगामा करते परिवारीजनों से डरकर नर्स मौके से गायब हो गई। बाद में पहुंची पुलिस ने किसी तरह समझा बुझाकर परिवारीजनों को शांत कराया। बताया जा रहा है कि बच्ची का जन्म माता–पिता के 20 साल के इंतजार के बाद हुआ था।

मिली जानकारी के अनुसार गोरखपुर के एम्स थाना क्षेत्र के शिवपुर के रहने वाले सूरज चौधरी की तीन साल की बच्ची (लाडो) की तबीयत खराब थी। परिवारीजनों ने 27 नवंबर को इंजीनियरिंग कालेज चौकी के पास एक निजी अस्पताल में उसे दिखाया और डॉक्टर की सलाह पर वहीं भर्ती करा दिया। आरोप है कि रविवार की सुबह ड्यूटी पर तैनात स्टाफ नर्स बच्ची को इंजेक्शन लगा रही थी कि तभी बच्ची की हालत बिगड़ी और उसने दम तोड़ दिया। बच्ची की मां धर्मावती और मौसी माया देवी का कहना है कि शायद नर्स ने अधिक डोज का इंजेक्शन लगा दिया। इससे बच्ची की मौत हो गई। बच्ची की मौसी ने यह भी आरोप लगाया है कि अस्पताल के डॉक्टर ने बच्ची की मौत के बाद केस न करने के लिए उसे रुपयों की पेशकश की। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने परिवारीजनों को समझा बुझाकर किसी तरह शांत कराया। पुलिस ने कहा कि मामले की जांच की जाएगी। वहीं घटना के बाद इंजेक्शन लगाने वाली नर्स मौके से गायब हो गई।

संदिग्ध हालत में सड़क किनारे पुआल पर मिला किशोर का शव

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। कठेला समय माता थाना क्षेत्र के धौबहा गांव के टोला रमईडीह व भोजेडीह के बीच रविवार को संदिग्ध हाल में सड़क किनारे पुआल पर एक किशोर का शव मिला। शव की शिनाख्त रमईडीह निवासी धर्मराज के पुत्र अमरजीत (15) के रूप में हुई है। किशोर का सिर कुचला होने से किसी वाहन के चढ़ने की आशंका जताई जा रही है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। रमईडीह निवासी धर्मराज का पुत्र अमरजीत बगल के अमरपुरवा प्राथमिक विद्यालय में कक्षा तीन में पढ़ता था। शुक्रवार को स्कूल में आयोजित परीक्षा में वह अनुपस्थित रहा। इसको लेकर शिक्षक ने उसके पिता से इसकी शिकायत की थी। पिता ने शनिवार को उसे डांटकर घर से स्कूल के लिए भेजा था लेकिन वह स्कूल नहीं गया और देर शाम तक घर भी वापस नहीं आया। इससे परिवार वालों को काफी चिन्ता हुई। देर रात तक परिवारीजनों ने उसकी खोजबीन की लेकिन पता नहीं चल सका। रविवार की सुबह गांव की कुछ महिलाएं शौच आदि के लिए गांव के बाहर गई हुई थीं। इस दौरान रमईडीह व भोजेडीह के बीच सड़क के किनारे रखे पुआल पर एक किशोर का शव देखकर वह सन्न रह गईं। महिलाओं ने गांव में आकर इसकी जानकारी दी तो मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। इस दौरान शव की पहचान धर्मराज के पुत्र अमरजीत के रूप में हुई। अमरजीत का सिर कुचला होने से किसी वाहन के चढ़ने की आशंका जताई जा रही है। मृतक के पिता ने भी पुलिस को दिए तहरीर में किसी वाहन के चढ़ने की ही आशंका जताई है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक अमरजीत चार भाई व एक बहन में सबसे बड़ा था। बड़े बेटे की मौत से पूरा परिवार सदमे में है। थानाध्यक्ष कठेला समय माता सभाशंकर यादव ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। तहरीर के आधार पर जांच पड़ताल की जा रही है।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

पूर्व विधायक पर नौ साल की मासूम से रेप का आरोप, पीड़ित की मां ने कोर्ट में लगाई गुहार, मुकदमा दर्ज

संवाददाता–संतकबीरनगर। बखिरा पुलिस ने पूर्व विधायक ताबिश खां समेत दो आरोपियों के खिलाफ रेप का केस दर्ज किया है। उनके खिलाफ बच्ची की मां ने आरोप लगाते हुए अपर सत्र न्यायाधीश एवं विशेष न्यायाधीश पाक्सो एक्ट की कोर्ट में गुहार लगाई थी। मां का कहना है कि चार सितम्बर 2024 की शाम पांच बजे के करीब उनकी नौ साल बच्ची बकरियां चराने के लिए घर से निकली थी। काफी समय तक वह घर नही लौटी तो बच्ची को ढूंढते हुए वह दाईं पोखरे के पास पहुंचीं। वहां बच्ची के रोने की आवाज सुनकर वह उसके पास पहुंची तो देखा कि पूर्व विधायक ताबिश खां और जमालुद्दीन उर्फ जमालू बच्ची के पास खड़े थे। उसे वहां देखकर दोनों हड़बड़ा गए। मां ने आरोप लाया कि ताबिश खान ने उन्हें पांच हजार रुपए दिए और कहा कि बच्ची को चोट लग गई, इसकी दवा करा देना। उन्होंने किसी से यह बात नहीं बताने और डॉक्टर या अस्पताल न जाने की हिदायत भी दी। कहा कि इससे तुम्हारी बदनामी हो जाएगी।

पीड़ित बच्ची की मां ने आरोप लगाया कि ताबिश ने उसे मुंह बंद रखने पर 50 हजार रुपए इनाम में देने का वादा किया। रुपए न लेने पर वह तरह–तरह की धमकियां देते हुए चले गए। मां का कहना है कि उनके पूछने पर बच्ची ने बताया कि ताबिश व जमालू ने पकड़ लिया था। दोनों ने उसके साथ दुष्कर्म किया। मां ने कहा कि ताबिश खां पहले विधायक था और बहुत प्रभावशाली व्यक्ति है।

सुनवाई के बाद अपर सत्र न्यायाधीश एवं विशेष न्यायाधीश पाक्सो एक्ट कृष्ण कुमार पंचम की अदालत ने थानेदार को केस दर्ज कर मामले की जांच करने का आदेश दिया। कोर्ट के आदेश पर पुलिस ने खजुरी थाना बखिरा निवासी पूर्व विधायक ताबिश खां और जमालुद्दीन के खिलाफ दुष्कर्म और पाक्सो एक्ट का मुकदमा दर्ज जांच शुरू कर दी है।

नहीं होने देंगे किसी के भी साथ अन्याय, सीएम योगी का जनता दर्शन में आए लोगों को आश्वासन

संवाददाता–गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन में आए लोगों से मुलाकात की और सबकी समस्या सुनकर कहा कि वह किसी के भी साथ अन्याय नहीं होने देंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि हर पीड़ित की समस्या का निराकरण किया जाएगा और सबको न्याय मिलेगा। इसे लेकर उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी की समस्या का शीघ्रता से गुणवत्तापूर्ण और पारदर्शी निस्तारण सुनिश्चित किया जाय।

जनता दर्शन में गोरखनाथ मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के सामने कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ खुद पहुंचे और एक-एक करके सबकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने करीब 300 लोगों से मुलाकात की। लोगों के प्रार्थना पत्रों को संबंधित अधिकारियों को संदर्भित करते हुए त्वरित और संतुष्टिपरक निस्तारण का निर्देश देने के साथ लोगों को भरोसा दिलाया कि सरकार हर पीड़ित की समस्या का समाधान कराने के लिए तत्पर और प्रतिबद्ध है। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों से कहा कि हर पीड़ित के साथ संवेदनशील रवैया अपनाएं और उनकी समस्याओं का समाधान कर उसे संतुष्ट करें। इसमें किसी भी तरह की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जमीनी विवाद की शिकायतों पर योगी ने कहा कि यदि विवाद पारिवारिक हो तो संबंधित पक्षों के बीच वार्ता कराई जाए और बात न बनने पर विधिक कार्रवाई की जाए। यदि कोई दबंग किसी की जमीन पर अवैध कब्जा कर रहा हो तो उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए।

मुख्यमंत्री के समक्ष जनता दर्शन में कई लोग इलाज के लिए आर्थिक सहायता की गुहार लेकर पहुंचे थे। योगी ने उन्हें आश्वस्त किया कि सरकार इलाज के लिए भरपूर मदद करेगी। उनके प्रार्थना पत्रों को अधिकारियों को हस्तगत करते हुए मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि इलाज से जुड़ी इस्टीमेट की प्रक्रिया को जल्द से जल्द पूर्ण कराकर शासन में उपलब्ध कराया जाए। राजस्व व पुलिस से जुड़े मामलों को उन्होंने पूरी पारदर्शिता वह निष्पक्षता के साथ नस्तितारित करने का निर्देश देते हुए कहा कि किसी के साथ भी नाइंसाफी नहीं होनी चाहिए।

गोरखनाथ मंदिर परिसर का भ्रमण करने के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने परिजनों के साथ मंदिर आए बच्चों को प्यार दुलार और आशीर्वाद दिया। बच्चों को अपने पास बुलाकर उनसे बातचीत की। नाम पूछने के साथ हंसी ठिठोली की। उनसे पढ़ाई के बारे में जानकारी ली और खूब पढ़ने के लिए प्रेरित किया। बच्चों को सीएम ने चॉकलेट गिफ्ट कर विदा किया।

ट्रेलर और पिकप आमने-सामने टकराये, चालक घायल

संवाददाता–संतकबीरनगर। जिले में खलीलाबाद कोतवाली क्षेत्र के डीघा फ्लाई ओवर पर रविवार को ट्रेलर और पिकप की आमने–सामने टक्कर हो गई, जिसमें दोनों वाहनों के चालक गाड़ी में फंस कर गंभीर रूप से घायल हो गए। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि गोरखपुर से बस्ती की ओर जा रहे ट्रक का टायर अचानक फट गया। इससे चालक ने इमरजेंसी ब्रेक लगा दी। ट्रक को रुकते देख उसके पीछे चल रही पिकप अनियंत्रित होकर दूसरे लेन पर चली गई। इस दौरान दूसरी तरफ से आ रही ट्रेलर पिकप को टक्कर मारते हुए आगे बढ़ गई। दुर्घटना में दोनों वाहनों के आगे का हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। दोनों चालक वाहन में फंस गए। दुर्घटना को देखते ही बरदहिया बाजार के कारोबारी बचाव में जुट गए। वाहन चालकों को गाड़ी से बाहर निकाला। दोनों को इलाज के लिए अस्पताल भेजवाया।

बॉर्डर रोड ऑर्गनाइजेशन कर्मी ने लगाई फांसी, मौत

संवाददाता–गोरखपुर। एम्स थाना क्षेत्र के जगदीशपुर कस्बे में एक बार्डर रोड ऑर्गनाइजेशन (ग्रीफ)में कर्मचारी घर पर छुट्टी आने पर शनिवार की रात में अज्ञात कारणों से फॉसी लगा लिया। आनन फानन में घरवाले उसे जिला अस्पताल ले गए, जहां उसे डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। प्राप्त विवरण के अनुसार जगदीशपुर कस्बे के निवासी विनय पासवान 33 वर्ष पुत्र राम नरेश बीआरओ (ग्रीफ) में सूबेदार के पद पर तैनात था। उसकी तैनाती वर्तमान में मणिपुर में था। विनय 15 दिन की छुट्टी पर वह घर आया था। शनिवार की देर रात संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी लगा लिया। आनन फानन में घरवाले उसे जिला अस्पताल लेकर गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक का फांसी लगाने का स्पष्ट कारण का पता नही लग पाया। पुलिस सूत्रों के मुताबिक मौत का कारण घरेलू विवाद हो सकता है। फिलहाल शव को जगदीशपुर चौकी पुलिस ने पीएम के लिये भेज कर मामले की जांच कर रही है।

दैनिक भारतीय बस्ती
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय
प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह
संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय– चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय– आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय– इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेलbhartiyabasti@yahoo.com
bhartiyabasti@gmail.com